प्राक्कथन

पाठ्यचर्या का नवीकरण और उसे अद्यतन बनाए रखना किसी भी स्पंदनशील विश्वविद्यालय तंत्र का अत्यावश्यक अंग है। पाठ्यचर्या को गत्यात्मक होना चाहिए जिस हेतु, उसे अद्यतन बनाए रखने के प्रमुख उद्देश्य से, संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा उसमें समय–समय पर आवश्यक परिवर्तन एवं परिवर्धन करते रहना चाहिए और साथ ही उसमें ऐसी सामग्री अन्तर्धारित होनी चाहिए जिसके आधार पर संबंधित विषय में हो रहे ज्ञान के तीव्र विकास के साथ कदम मिलाकर चला जा सके। छात्र–समुदाय को अद्यतन शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए पाठ्यचर्या में संशोधन के कार्य को एक अनवरत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

कुछ विश्वविद्यालयों को छोड़कर, अनेक ऐसे विश्वविद्यालय हैं जहाँ वर्षों से इस दिशा में कोई चेष्टा नहीं की गई और जिनमें आज भी वर्षों या दशकों पुरानी पाठ्यचर्या प्रचलित है और उसका अनुसरण कर पढ़ाया जा रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस निश्चेष्टता के कारणों पर तो विचार नहीं किया, परन्तु पाठ्यचर्या–संशोधन की आवश्यकता को महसूस करते हुए तथा उच्च शिक्षा के स्तर को बनाए रखने और उसके समन्वयन से संबंधित अपने अधिदेश की प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए इस परिवर्तन को लाने में अग्रगामी भूमिका अदा करने का निर्णय लिया ताकि विश्वविद्यालय पाठ्यचर्या को अविलंब अद्यतन कर संपूर्ण देश में स्तरीय शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

प्रत्येक विषय के लिए पाठ्यचर्या विकास समिति का गठन किया गया जिसका संयोजक उसका केंद्रक (नोडल) व्यक्ति था। इस समिति में विश्वविद्यालयों से लिए गए पाँच विषय–विशेषज्ञों के अतिरिक्त, विभिन्न उप–विषयों के विशेषज्ञ भी शामिल थे जिन्होंने सम्मानित सहयोजित सदस्यों के रूप में समिति की बैठकों में भाग लिया। ये विशेषज्ञ आवश्यकतानुसार समय–समय पर बदलते रहे। इस प्रकार, इन समितियों में अनेक विशेषज्ञ शामिल थे और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को अद्यतन मॉडल पाठ्यचर्या प्रस्तुत किए जाने से पहले उन्होंने अनेक बैठकों में भाग लिया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और इसके अध्यक्ष के रूप में, मैं उन केंद्रक (नोडल) व्यक्तियों तथा विभिन्न विषयों और उनके उप–विषयों के विभिन्न स्थायी एवं सहयोजित सदस्यों का आभारी हूँ जिन्होंने 18 महीने की रिकार्ड अवधि में 32 विषयों में यू.जी.सी. मॉडल पाठ्यचर्या तैयार करने के लिए पूर्ण निष्ठा से गंभीरतापूर्वक कार्य किया।

हमारे समस्त अकादमिक समुदाय के सहयोग के बिना यह कार्य संभव नहीं था। हम केवल यही आशा कर सकते हैं कि उनकी और विश्वविद्यालय समुदाय तथा भारतीय समाज की आकांक्षाएं पूरी हों।

यू.जी.सी. मॉडल पाठ्यचर्या को तैयार करते समय अनेक बातों को ध्यान में रखा गया है, जैसे कुछ विश्वविद्यालयों में प्रचलित विद्यमान पाठ्यचर्या की कमियों, त्रुटियों/दुर्बलताओं का परिहार करना; संबंधित विषय में हुए नूतन विकास से सुसंगतता बनाए रखने में सक्षम एक नवीन मॉडल पाठ्यचर्या विकसित करना; नवप्रवर्तनात्मक विचारों को सम्मिलित करना; बहुविषयात्मक रूपरेखा प्रदान करना; तथा एक लचीले एवं स्व–प्रयास के दृष्टिकोण के साथ–साथ संबंधित विषय के सीमांत क्षेत्रों में विकसित ज्ञान के शिक्षण के लिए नये पर्चों को शामिल करने की गुंजाइश रखना।

मॉडल पाठ्यचर्या में सम्मिलित सिफारिशें देश के विभिन्न भागों से आमंत्रित विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई हैं। उन्होंने भारतीय अकादमिक संदर्भ में अध्यापन की व्यावहारिक आवश्यकताओं को, अपने विषयों के क्षेत्र में ज्ञान प्रदान करने हेतु, उच्च स्तरों के अनुपालन की आवश्यकता के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। विश्वस्तरीय ज्ञान के लक्ष्यों एवं मानदण्डों के साथ भारतीय विरासत के गौरव तथा भारतीय योगदान के संदर्भानुकूल संयोजन का उद्देश्य भी रखा गया

है।

सम्प्रति, समस्त ज्ञान अंतःशास्त्रीय है। इसका पूरा ध्यान रखते हुए विश्वविद्यालयों के लिए लचीले और अन्योन्यक्रियात्मक मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं ताकि वे जैसा चाहें उनका आगे और विस्तार कर सकें। प्रत्येक संस्था को समान स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए एकरूप ढाँचा तैयार करना होगा ताकि विषयों और संकायों के बीच प्रभावी अन्योन्यप्रक्रिया संभव हो सके। पूरे देश में यह प्रवृत्ति बन रही है कि अब वार्षिक पद्धति के स्थान पर सेमेस्टर पद्धति लागू होनी चाहिए और अंकों के स्थान पर क्रेडिट देने की पद्धति अपनाई जानी चाहिए। माड्यूलर रूपरेखा में भी लोगों की रुचि स्पष्ट रूप से बढ़ रही है।

इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए सिफारिशों में उन संस्थाओं के लिए व्यवस्था की गई है जो तत्काल आमूल संरचनात्मक सुधार करने की स्थिति में नहीं हैं। किसी भी देश में, विशेषतः भारत जैसे विशाल एवं विविधतापूर्ण देश में, विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए संस्थाओं को पर्याप्त स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता प्रदान की जानी चाहिए। पाठ्यचर्या विकास समितियों की सिफारिशों में भी इसी बात पर जोर दिया गया है। हमारा सदैव यही प्रयास रहा है कि समस्त भारतीय अकादमिक समुदाय में विनिमय, गतिशीलता तथा मुक्त संवाद के लिए एक व्यापक सामान्य ढाँचा उपलब्ध कराया जाए। ये सिफारिशें मुक्त एवं सतत सुधार करने की भावना से की गई हैं।

समाज की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करने तथा शिक्षा की गुणवत्ता एवं स्तर को समुन्नत करने के लिए पाठ्यचर्या को सतत रूप से अद्यतन और उसकी पुनः संरचना करते रहना चाहिए। तदनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पाठ्यचर्या विकास समितियों का गठन किया। यदि आप इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण चाहते हों तो आप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की उप–सचिव तथा पाठ्यचर्या विकास समितियों की समन्वयक डॉ. (श्रीमती) रेणु बत्रा से संपर्क कर सकते हैं जो संबंधित विषय के "नोडल" व्यक्ति से सम्यक् परामर्श करने के पश्चात् आपको उत्तर देंगी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इस मॉडल पाठ्यचर्या को सभी विश्वविद्यालयों के माननीय कुल सचिवों (रजिस्ट्रारों) को इस अनुरोध के साथ अग्रेषित कर रहा है कि वे इस मॉडल पाठ्यचर्या की प्रतियाँ करा कर संबंधित संकाय–अध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को अग्रेषित करें और उनसे यह अनुरोध करें कि वे अपनी पाठ्यचर्या को अद्यतन करने के लिए शीघ्र कार्रवाई शुरू करें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मॉडल पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय के कुल सचिवों को इन विकल्पों के साथ प्रस्तुत की जा रही है कि वे या तो इसे पूर्णतः या आवश्यक संशोधन करने के बाद या आवश्यक विलोपन/परिवर्धन सहित या किसी भी प्रकार का परिवर्तन, जिसे विश्वविद्यालय उचित समझे, करने के बाद अंगीकार करें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पाठ्यचर्या केवल आधार के रूप में प्रयोग करने तथा पाठ्यचर्या को शीघ्र अद्यतन करने की समस्त कार्रवाई को सुकर बनाने के लिए विश्वविद्यालयों को उपलब्ध कराई गई है।

मैं विश्वविद्यालयों के माननीय कुलपतियों तथा कुल सचिवों और सम्माननीय संकाय–अध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, संकाय–सदस्यों और पाठ्य समितियों तथा विद्यापरिषद् के सदस्यों से यह अनुरोध करूंगा कि वे उनको उपलब्ध कराई गई मॉडल पाठ्यचर्या के आधार पर 32 विषयों (प्रत्येक) की पाठ्यचर्या को अद्यतन करें। पाठ्यचर्या को शीघ्र एवं अवश्यमेव अद्यतन करना होगा। मैं विश्वविद्यालयों के अकादमिक प्रशासन से भी अनुरोध करूंगा कि वे इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करें ताकि विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई, 2002 तक अद्यतन पाठ्यचर्या को अपनाया जा सके।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का माननीय कुल सचिवों से अनुरोध है कि वे इस बात की पुष्टि करें कि उक्त समयबद्ध कार्य पूरा कर दिया गया है और वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रत्येक विषय में विश्वविद्यालय की अद्यतन पाठ्यचर्या 31 जुलाई, 2002 तक अवश्य भेज दें। ऐसा अवश्य किया जाना चाहिए। यह कार्य समय से करना होगा। यदि ऐसा नहीं किया गया तो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को संबंधित विश्वविद्यालय के विरुद्ध उपयुक्त अप्रिय कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग आशा करता है कि उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु स्तरों में सुधार करने के लिए आप इस संयुक्त कार्य में सक्रिय भाग लेंगे।

हरि गौतम
एमएस (सर्जरी) एफआरसीएस (एडिन.) एफआरसीएस (इंग.)
एफएएमएस एफएसीएस एफआईसीएस एफआईएसीएस डीएससी (मानद)
अध्यक्ष

दिसम्बर, 2001

REPORT

OF

THE CURRICULUM DEVELOPMENT COMMITTEE

ON

SANSKRIT

2001

CONTENTS

S. No.	Particulars	Page No.
1.	Report of CDC in Sanskrit	5
2.	Appendix-1, B.A. Sanskrit (Pass)	15
3.	Appendix-2, B.A. Sanskrit (Honours)	21
4.	Appendix-3, M.A. Sanskrit Syllabus	37
5.	Optional Groups : Paper VII to X	45

Report of CDC in Sanskrit

1. The UGC Chairman, Dr. Hari Gautam (vide his letter of 4th September 2000) desired that a CDC be constituted and convened to propose revised syllabi for B. A. Pass, B. A. Hons and M. A. Sanskrit Programs to meet the new demand on the emerging challenges for Sanskrit studies in India in the new millennium.

   The offer was accepted by Prof. V. N. Jha. Following that he wrote to all the universities having Sanskrit Departments requesting them to send copies of their syllabi in respect of different programmes. The following universities responded :

   Andhra University
   Aligarh Muslim University
   Bangalore University
   Kurukshetra University
   Sayajirao University, Vadodara
   University of Mumbai
   Osmania University, Hyderabad
   University of Pune
   Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Jabalpur
   Ravindra Bharti University, Shantiniketan
   Sri Venkateswara University, Tirupati
   Calcutta University
   Jadavpur University
   University of Delhi

The convenor also coopted the following members :

(1) ***Prof. Kapil Kapoor,*** Rector, JNU
(2) ***Prof. Avanindra Kumar,*** Delhi Univeristy
(3) ***Prof. S. P. Dimri,*** CIEFL, Hyderabad

Besides, in each meeting of the CDC, experts with different Sanskrit specialisations were invited to take part in the deliberations.

2. Three meetings were convened as follows :

First meeting	:	Nov. 06-07	at UGC Office, N. Delhi
Second meeting	:	Dec. 11-12	at UGC Office, N. Delhi
Third meeting	:	Dec. 25-27	at Hans Raj College, University of Delhi.

3. The **first meeting** of the CDC, held on 6-7, November, 2000 at the UGC office, was attended by the following :

(1) ***Prof. V. N. Jha,*** Pune
(2) ***Prof. Prahladacar,*** Tirupati
(3) ***Prof. Manabendu Banerji,*** Calcutta
(4) ***Prof. Avanindra Kumar,*** Delhi
(5) ***Prof. S. P. Dimri,*** Hyderabad
(6) ***Prof. Kapil Kapoor,*** Delhi
(7) ***Prof. A. B. Bakre,*** Mumbai

The Committee set before itself **the tasks** of :

a. Scrutinising the syllabi received from various Universities,
b. Arriving at a broad structure of B. A. Pass, B. A. Hons and M. A. Courses, and
c. Laying down the policy and guidelines for revising the syllabi.

It was noticed that there were variations from one University to the other in terms of

i. number of papers,
ii. course-contents, and
iii. structure

The Committee felt that it will be desirable to propose a uniform syllabus at each level for the whole country by drawing upon the best elements of the existing syllabi and from the rich Sanskrit sources, so that the students, who graduate, acquire desirable proficiency in their respective disciplines to face the ground reality.

4. The committee finalised the following **structure for the different programmes :**

	I yr. papers	**II yr. papers**	**III. yr. papers**	**Total**
B. A. Pass	One (1)	One (1)	One (1)	= 3
B. A. Hons.	Three (3)	Three (3)	four (4)	= 10
M. A.	Five (5)	Five (5)		= 10

The committee decided to tabulate and compare the course-contents of the different universities in order to study the principles for the selection of texts and to work out the common content and arrive at an agreement about the range of literature to be covered and the prescribed texts.

5. The committee deliberated at length about the **policy and guidelines for revising the syllabi.**

Four major shortcomings of the prevalent Sanskrit teaching and study were identified. It was noted that :

students who graduate or complete post-graduation in Sanskrit

(a) are not able to speak or converse in Sanskrit,

(b) are not at all aware of the intellectual strength of the Sanskrit tradition of thought,

(c) are strictly restricted to the Sanskrit study and are unable to interact with contemporary thought, or other disciplines, and

(d) are not linked with the new technologies and the associated changes in the employment patterns.

The committee felt the need to lay down a specific policy and a set of guidelines for framing the syllabi such that the above four short-comings are removed.

In this respect, the following **principles** for framing uniform syllabi were agreed upon :

(I) Care should be taken to ensure that students achieve a good command over all the three abilities in Sanskrit language - speaking, reading and writing. Of these, it was felt, speaking is of paramount importance as this is the primary abilitiy which generates confidence and gives rise to other abilities :

To ensure this (i) courses in Sanskrit language should form an important component; (ii) courses in the structure of Sanskrit language should also find a place in the syllabi.

(II) Care should be taken to ensure that students become acquainted with Sanskrit intellectual traditions.

To ensure this,

(i) a special introductory course in Sanskrit intellectual traditions be introduced,

(ii) courses should cover as wide a range of knowledge-domains as possible;

(iii) courses particularly in scientific and technical literature be introduced, and

(iv) foundational courses in Pāṇinian grammar and in Indian logic be made compulsory.

(III) The Sanskrit student must be made to open out and interact with other traditions particularly classical and modern Western thought. He should also be made to see the continuing relevance of classical Indian thought.

To ensure this, in each course, there should be a component of contemporary thought and reality, both Indian and Western, to facilitate comparative studies. Contemporary thought should be introduced in the familiar rubric of modern discipline formations so that the students are able to explore the possibility of linking the traditional Indian thought with modern problems of knowledge and requirements.

(IV) Till now there has been stress only on literature and philosophy and Sanskrit studies have remained isolated from science and emerging technologies. The Sanskrit graduate is, therefore, left out of

both, an important segment of Sanskrit knowledge-base and of the employment-market which is generally driven by technologies.

Therefore, care must be taken to connect Sanskrit theoretical studies with the imposing technologies.

To ensure this, courses or components of courses should be introduced to train the students in all aspects of information technology. Students must be made aware that subjects such as knowledge formation, knowledge analysis and knowledge representation are not alien to classical Indian thought. In fact, texts such as Pāṇini's *Aṣṭādhyāyī, Śābdabodha - literature* and *Mīmāṃsasūtra* are of direct relevance in achieving greater understanding of these subjects.

6. It was decided to examine the existing syllabi with these guidelines in mind. To facilitate these, Prof. V. N. Jha, the convenor, was requested to tabulate the available syllabi programme-wise and circulate to all the members the tabulated syllabi in preparation for the second meeting.

Prof. V. N. Jha got the syllabi tabulated and sent copies to all the members.

7. The **second meeting** of CDC was held on December 11-12 in the UGC office at Delhi. The following members were present :

(1) ***Prof. V. N. Jha,*** *Pune*
(2) ***Prof. Kapil Kapoor,*** *Delhi*
(3) ***Prof. Avanindra Kumar,*** *Delhi*
(4) ***Dr. Kanshiram,*** *Delhi*
(5) ***Prof. Radhavallabh Tripathi,*** *Sagar*
(6) ***Prof. S. Bahulkar,*** *Pune*
(7) ***Prof. S. P. Dimri,*** *Hyderabad*

The tabulated syllabi were closely examined to develop a consensual syllabus which would, at the same time, meet the requirements of the guidelines laid down in the first meeting.
There were **two tasks** in the given order :

A. To develop a structure of courses, and
B. To draft the contents of the courses for both B. A. and M.A. With reference to (A) it was decided that each course will have ***five units*** indicating the equal weightage in marks given to the texts in each unit. This applied to both B. A. and M. A. Courses.

In the case of M.A. Courses, it was decided that of the five units, the first unit will give a survey of thought, texts and thinkers while the fifth unit would deal with other traditions and contemporary thought and reality, as follows :

M. A. Courses :

Unit : (1) Thought, texts and thinkers
(2) Text 1...n
(3) Text 1...n
(4) Text 1...n
(5) Other traditions and contemporary thought.

With reference to the **second task** the CDC prepared a draft of course content, the texts for each course were identified in general.

It was left for the third meeting to spell out the courses in detail by arranging and distributing texts and specifying the exact portions/sections of the texts to be prescribed and, wherever necessary, the editions.

8. **Third meeting** of the CDC was held on Dec. 25-27, 2000 at Hansraj College, University of Delhi. The following members were present :

(1) ***Prof. V. N. Jha,*** *Pune*
(2) ***Prof. Kapil Kapoor,*** *Delhi*
(3) ***Prof. Avanindra Kumar,*** *Delhi*
(4) ***Dr. Kanshiram,*** *Delhi*
(5) ***Prof. Radhavallabh Tripathi,*** *Sagar*
(6) ***Prof. S. Bahulkar,*** *Pune*
(7) ***Prof. S. P. Dimri,*** *Hyderabad*
(8) ***Dr. Rana,*** *Delhi*
(9) ***Prof. Shukdev Chaturvedi,*** *Delhi*
(10) ***Dr. Ramashray Sharma,*** *Delhi*
(11) ***Prof. V. P. Jain,*** *Delhi*

In this meeting, the specific details the units, their themes and the texts of all the courses for B. A. (both Pass and Honours) and M. A. were worked out -

For each Course, in addition, references (readings) were also enumerated. These readings seek to give a modern critical and comparative perspective on the thought- content of each course.

9. The CDC completed its draft report in its three meetings. The Chairman, UGC, desired the draft report to be discussed in the presence of the following three nominated members :

1. Prof. Mandana Mishra

2. Prof. Vacaspati Upadhyaya
3. Prof. S. C. Pandey

Accordingly, a meeting was convened at the UGC, on May 14-15 at which the following were present :

1. Prof. V. N. Jha
2. Prof. Vacaspati Upadhyaya
3. Prof. Avanidra Kumar
4. Dr. Kanshiram
5. Prof. Kapil Kapoor
6. Prof. S. C. Pandey

The Committee reviewed the completed draft report for its substantive and editorial content and incorporated the suggestions made by the members.

The Report so revised and finalised is being submitted herewith in duplicate.

10.Outline of the Syllabus : B. A. (Pass)

Paper I	:	Mastering Sanskrit Language (I) : (Conversation, Grammar, Texts, Translation, Composition and History)
Paper II	:	Mastering Sanskrit Language (II)
Paper III	:	Mastering Sanskrit Language (III)

Outline of the Syllabus : B. A. (Hons.)

Paper I	:	Mastering Sanskrit Language (I) : (Conversation, Grammar, Texts, Translation, Composition and History)
Paper II	:	Mastering Sanskrit Language (II)
Paper III	:	Mastering Sanskrit Language (III)
Paper IV	:	Introduction to Sanskrit Intellectual Traditions
Paper V	:	Kāvya
Paper VI	:	Vedic Literature
Paper VII	:	Darśana
Paper VIII	:	Scientific and Technical Literature in Sanskrit
Paper IX	:	Introduction to Linguistics
Paper X	:	Arthaśāstra and Dharmaśāstra

Year-wise distribution of papers : B. A. (Pass)

I Year : **Paper I**
II Year : **Paper II**
III Year : **Paper III**

Year-wise distribution of papers : B. A. (Hons.)

I Year : **Paper I to III**
II Year : **Paper IV to VI**
III Year : **Paper VII to X**

Outline of the Syllabi : M. A.

Compulsory Papers : Six (Paper I to VI)

I : Vedic Language and Literature
II : Grammar and Linguistics
III : Philosophy
IV : Poetics and Aesthetics
V : Kāvya
VI : Language, Culture and History

Optional / Elective Papers - Four (Paper VII to X) from any one of the following Special Groups :

1. Veda
2. Vyākaraṇa
3. Darśana
4. Kāvya
5. Kāvyaśāstra and Saundarya-Śāstra
6. Sāṃkhya-yoga
7. Prācīna Nyāya
8. Navya Nyāya
9. Mīmāṃsā
10. Vedānta
11. Itihāsa and Purāṇas
12. Dharmaśāstra and Nītiśāstra
13. Pāli and Buddhism
14. Prakrit and Jainology

15. Āyurveda
16. Jyotiṣa
17. Āgama and Tantra
18. Palaeography and Epigraphy

Year-wise distribution of papers :

I Year : Paper I to V

II Year : Paper VI and VII to X from any one optional **Special Group**

11. Even a cursory examination of the proposed syllabi shows structural uniformity for all the courses. Moreover, the texts have been chosen both for their undoubted value in the tradition and their relevance for modern problematics and issues and also to allow exposure to multiple perspectives, the plurality that is an intrinsic part of the Sanskrit tradition. At the same time most of these texts have been prescribed in some university or the other. Where full texts are too long for the span of a course, parts or sections chosen are those that are important not only for being the nucleus of the texts but also for their contemporaneity and the paraphrasability of their ideas into recognisable modern vocabulary.
The list of recommended books that follows each course is only a representative list and the Departments/ Teachers shall add / delete to the list and / or update it as required.

Copies of the syllabi for B. A.(Pass), B. A. (Hons.) and M. A. as finalised in the third meeting are enclosed as Appendix 1, 2 and 3 respectively.
All courses/papers are distributed and divided into Units.

12.General Recommendations for Sanskrit Studies

A. (1) As far as possible, at some stage or in some courses, Sanskrit should be the medium of instruction.
(2) The question papers in all courses should be in Sanskrit language only.
(3) 25% of answers should be in Sanskrit to start with.

B. To successfully implement these revised syllabi, it is necessary :

(1) to prepare reading and teaching meterials based on scientific methodology. (This must be taken up urgently).
(2) to organise refresher courses on a large scale to give the teachers the necessary orientation for effective implementation of the proposed syllabi (Absolutely necessary).
(3) to make the students actively participate in the teaching / learning process through
(a) appropriate class room methods.
(b) seminars, tutorials, workshops, etc.

C. To establish a linkage between Sanskrit and other disciplines it is desirable that courses dealing with Sanskrit language, literature and intellectual traditions should be allowed, and made available, as optionals for students graduating in disciplines other than Sanskrit. For example, a science student could opt for Scientific and Technical Sanskrit literature as an optional subject, and so on.
We have indicated by asterisk against each such course the disiplines for which it could be offered as an optional course. **Necessary provision and openness will have to be introduced in the respective Syllabi of other disciplines.**

D. All teaching programmes must ensure that those who possess a B. A. or an M. A. degree in Sanskrit can speak Sanskrit fluently as is the case with degree holders in other languages.

E. The M. A. Courses may be open to all. Any Graduate may be allowed to offer a Post-graduate course in Sanskrit. But, for those who do not have any background in Sanskrit, a Short-Term Bridge Course in Sanskrit may be introduced to bring them to the main stream.

13. Conclusion

It is clear that the CDC has enlarged the content of each course. There is a 20% increase in the reading-load over the existing syllabi.

This was a conscious decision guided by the fact that by reducing the load of texts to be studied under the pretext of what a student can or cannot manage, we have only ended up by devaluing the graduate degree and the post-graduate degree, as a light syllabus does not require the student to work cosistently throughout the year - he can afford to manage by memorising some answers virtually at the last moment. This increased study material will also require that the examination question - papers should be re-designed to ensure that a student reads and understands all the texts without having to memorise the answers.

Appendix 1
B.A. Sanskrit (Pass)

Description

I Year

Paper I **: संस्कृत-भाषानैपुण्य - १** ***(Mastering Sanskrit Language - I)****
(Conversation, Grammar, Text, Translation, Composition, History)

Unit I **संस्कृत-वाग्व्यवहार** ***(Sanskrit Conversation)*** ***20***

Unit II **व्याकरण** ***(Grammar)*** ***10***

शब्दरूप : राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, धातु (नपुं), मरुत्, आत्मन्, दण्डिन्, वाच्, सरित्, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद्, तथा युष्मद्
धातुरूप : पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रुध्, क्री, चुर्, तथा सेव्

Unit III **हितोपदेश** (मित्रलाभ) Hitopadeśa (Mitralābha) ***10***
स्वप्नवासवदत्त (Svapnavāsavadatta) ***10***
शुकनासोपदेश (Śukanāsopadeśa) ***10***

Unit IV **लघुसिद्धान्त - कौमुदी** : ***(Laghusiddhāntakaumudī)*** ***20***
प्रत्याहारसूत्र, संज्ञा, सन्धि, सुबन्त, विभक्त्यर्थ। (Pratyāhārasūtra, Saṃjñā, Sandhi, Subanta, Vibhaktyartha)

Unit V **अनुवाद** ***(Translation)*** ***10***
Mother tongue / Hindi / English ***to*** Sanskrit
Sanskrit ***to*** Mother tongue / Hindi / English
निबन्ध ***(Composition)*** on current topics ***10***

Books Recommended :

1. **संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम्** Functional Sanskrit: Its Communicative Aspect - Dr. Narendra, Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry.
2. **बृहद्रचनानुवादकौमुदी** - कपिलदेव द्विवेदी
3. **संस्कृत व्याकरण** - श्रीधर वासिष्ठ
4. **बृहद् अनुवाद चन्द्रिका** - चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1985

*** This paper may also be allowed as an optional for students of humanities and social sciences.**

5. लघुसिद्धान्तकौमुदी - Sharadaranjan Ray, 1954.
6. नवनीत संस्कृत शब्द - धातु - रूपावलि - राजारामशास्त्री भाटेकर - नवनीत प्रकाशन, मुंबई, 1990.
7. कादम्बरी - शुकनासोपदेश सुबोधिनी संस्कृत - हिन्दी व्याख्या रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियंटालिया, वाराणसी 1978.
8. कादम्बरी - शुकनासोपदेश - डॉ. प्रह्लादकुमार, मेहरचंद लछमन् दास, दिल्ली, 1974.
9. कादम्बरी शुकनासोपदेश - रमाकान्त झा, हरिहर झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1996.
10. कादम्बरी - शुकनासोपदेश - व्याख्या श्रीमती सुदेश नारंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1990.
11. ***Svapnavāsavadattam*** - Bhāsa tr. by M. R. Kale, Bombay, Booksellers' Pub. Co., 1961.
12. ***Svapnavāsavadattam*** - Bhāsa ed. by M. D. Paradkar etc. with Marathi, Hindi & Gujarati tr. Adreesh Prakashan, Bombay, 1972.
13. ***Hitopadeśa*** of Nārāyaṇa Paṇḍita, tr. into Hindi by Rāmeśvara Bhaṭṭa ed. by Narayana Rama Acarya, Nirnaya Sagar , Bombay, 1949.
14. ***Sanskrit Grammar*** with an English Version, Comm. and references Motilal Banarsidass, 1981. Marmaprakāśikā, Eng. tr. by M. R. Kale, Delhi, MLBD. 1976.
15. वैयाकरण - सिद्धान्त - कौमुदी Part - I. संपा महादेव दामोदर साठे, प्रकाशन - सखाराम आप्टे. संस्कृत पाठशाळा, पुणे, 1968.
16. संस्कृत - निबन्ध - रत्नाकरः - डॉ शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली. 1977, ed. 2.
17. प्रबन्धप्रकाश - भाग १ व २. डॉ. श्री. मंगलदेव शास्त्री, प्रकाशक - बी. एन. माथुर, Indian Press Pvt. Ltd. प्रयाग, 1930.
19. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें? - उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना, 1971.

II Year

Paper II : संस्कृत-भाषानैपुण्य - २ *(Mastering Sanskrit Language - II)*

Unit I संस्कृत - वाग्वयवहार *(Sanskrit Conversation)* — *20*

Unit II वाच्य : कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य — *20*

Unit III तर्कसंग्रह *(Tarka Saṃgraha)* — *10*

रघुवंश (प्रथम सर्ग) — *10*

ऋग्वेद (1.1), अथर्ववेद (1.2) — *10*

Unit IV लघुसिद्धान्त-कौमुद (Laghu-Siddhānta-kaumudī) — *10*

तिङन्त तथा समास (Tiṅanta and Samāsa)

Unit V अनुवाद *(Translation)* — *10*

Mother togue / Hindi / English *to* Sanskrit

Sanskrit *to* Mother tongue / Hindi / English

अर्थावबोध *(Arthāvabodha)* — *10*

Comprehension

Books Recommended :

1. तर्कसंग्रह - दयानन्द भार्गव, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली, 1971.
2. ***Tarkasaṃgraha*** - Athalye & Bodas, BORI, Pune, 1963.
3. ***Primer of Indian Logic*** - Kuppu Swami Sastri.
4. ***A Modern Introduction to Indian Logic*** by S. S. Barlingay, National Pub. House, Delhi, 1965.
5. ***Raghuvaṃśa*** with Mallinātha ***Ed.*** by Gopal Raghunath Nandargikar, Motilal Banarsidass, Delhi.
6. ***Ṛgveda Ed.*** by Vishva Bandhu, In collaboration with Bhimdev, Vidyānidhi & Munishvardev, Vishveshvaranand Vedic Research Institute, Hoshiarpur, 1966.
7. ***Atharvaveda*** (Śaunaka), Ed. by Vishva Bandhu, Vishveshvaranand Vedic Research Institute, Hoshiarpur, 1960.
8. ***Siddhāntakaumudī*** of Bhaṭṭojīdīkṣita with Bālamanoramā Comm. of Vāsudevadīkṣita Part I. Ed. by S. Chandrashekhara Sastri, Parimal Publications, Delhi, 1910.
9. ***Varadarāja-Laghusiddhāntakaumudī***-Saṃjñā, Saṃdhi & Subanta Prakaraṇa with Hindi Comm. by Gaurishankar Sinha, Varanasi, Vishvavidyalaya Prakashan, 1965.
10. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें? उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना, 1971.
11. ***A Higher Sanskrit Grammar*** - M. R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi, 1984.

III Year

Paper III : संस्कृत-भाषानैपुण्य - ३ *(Mastering Sanskrit Language - III)*

Unit I संस्कृत - भाषा - साहित्य - इतिहास **20**
(History of Sanskrit Language and Literature)

Unit II व्याकरण : प्रमुख कृत्, तद्धित एवं स्त्री प्रत्यय **20**
(Main kṛt, taddhita and strī - affixes)
कृत्प्रत्यय : क्त्वा, तुमुन्, ण्यत्, यत्, क्त, क्तवतु, ल्यप्, शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्
तद्धित-प्रत्यय : मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्
स्त्रीप्रत्यय : टाप्, ङीप्
लघुकौमुदी : कृत्, तद्धित तथा स्त्रीप्रत्यय प्रकरण
Laghu Kaumudī : Kṛt, Taddhita and Strī pratyayas

Unit III (i) मीमांसा - परिभाषा ***(Mīmāṃsā Paribhāṣā)*** **20**

Unit IV (i) साहित्यदर्पण प्रथम परिच्छेद (Sāhityadarpaṇa - first pariccheda)
(ii) शान्तिपर्व अध्याय 192 (Shanti parva Chapt. 192. Pune Edn.)
(iii) रामायण, बालकाण्ड १ अध्याय (Rāmāyaṇa, Bālakāṇda Chapt. I) **20**

Unit V अर्थावबोध (Comprehension) **20**
Questions on unseen passage

Books Recommended :

1. संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक - रामलाल कपूर ट्रस्ट, 1973.
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय - शारदा मन्दिर, वाराणसी, 1969.
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1960.
4. साहित्य दर्पण - शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, 1977.
5. मीमांसा - परिभाषा - रामकृष्ण मिशन (Eng. Tr.)
6. मीमांसा - परिभाषा ed. by Mahadevśarma Bakre and Vasudevaśarma Panshikar, Bombay, Nirnaya-sagar, 1933, 1950.
7. ***A Concise History of Classical Sanskrit Literature*** by Gaurinath Shastri, Motilal Banarsidass, 1974.
8. ***A History of Indian Literature - Maurice winternitz,*** Vol. I - Motilal Banarsidass Publishers Private Limited, Delhi, 1977.
9. श्रीमत्कृष्णयज्वप्रणीत - मीमांसापरिभाषा - नारायण राम आचार्य, 'काव्यतीर्थ' - निर्णयसागर प्रेस, मुंबई, 1933.
10. साहित्यदर्पण - श्रीविश्वनाथ कविराज प्रणीत : - श्रीदुर्गाप्रसाद द्विवेदी - मेहरचन्द लछमनदास - नई दिल्ली, 1982.

11. ***Mahābhārata***, The Great Epic of India; Poona BORI. Sukthankar, V. S. & others. Eds Vol. 13 to 16. शांतिपर्व, 1954.

12. ***Āryārāmāyaṇa :*** Bālakāṇḍa, Godbole Keśava Vināyaka. Pune, 1962.

13. ***Vālmīki Rāmāyaṇa,*** (Vol. 1.), ***Ed.*** A. L. Gadgil. Śriramakośa Maṇḍal. Pune, 1982.

Appendix 2
B. A. Sanskrit (Honours)

I Year

Paper I : संस्कृत-भाषानैपुण्य - १ (Mastering Sanskrit Language - I)*
(Conversation, Grammar, Text, Translation, Composition, History)

Unit I संस्कृत वाग्व्यवहार *(Sanskrit Conversation)* **20**

Unit II व्याकरण *(Grammar)* **10**

शब्दरूप : राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, धातु (नपुं), मरुत्, आत्मन्, दण्डिन्, वाच्, सरित्, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद्, तथा युष्मद्

धातुरूप : पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रूध्, क्री, चुर्, तथा सेव्

Unit III हितोपदेश (मित्रलाभ) Hitopadeśa (Mitralābha) **10**

स्वप्नवासवदत्त (Svapnavāsavadatta) **10**

शुकनासोपदेश (Śukanāsopadeśa) **10**

Unit IV लघुसिद्धान्त - कौमुदी : *(Laghusiddhāntakaumudī)* **20**

प्रत्याहारसूत्र, संज्ञा, सन्धि, सुबन्त, विभक्त्यर्थ ।

(Pratyāhārasūtra, Saṃjñā, Sandhi, Subanta, Vibhaktyartha)

Unit V अनुवाद *(Translation)* **10**

Mother tongue / Hindi / English *to* Sanskrit

Sanskrit *to* Mother tongue / Hindi / English

निबन्ध *(Composition)* on current topics **10**

Books Recommended :

1. संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम् Functional Sanskrit: Its Communicative Aspect - Dr. Narendra, Sanskrit Kāryalaya, Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry.
2. बृहद्रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
3. संस्कृत व्याकरण - श्रीधर वासिष्ठ
4. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका - चक्रधर हंस नौटियाल
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी Sharadaranjan Ray
6. नवनीत संस्कृत शब्द - धातु - रूपावलि - राजारामशास्त्री नाटेकर - नवनीत प्रकाशन, मुंबई.
7. कादम्बरी - शुकनासोपदेश सुबोधिनी संस्कृत - हिन्दी व्याख्या रामपाल शास्त्री, चोखम्बा ओरियंटालिया, वाराणसी 1978.

* This paper may also be allowed as an optional for students of humanities and social sciences.

8. कादम्बरी - शुकनासोपदेश, डॉ. प्रह्लादकुमार, मेहरचंद लच्छमन् दास, दिल्ली, 1974.
9. कादम्बरी शुकनासोपदेश - रमाकान्त झा, हरिहर झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1996.
10. कादम्बरी - शुकनासोपदेश, व्याख्या श्रीपती सुदेश नारंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1990.
11. *Svapnavāsavadattam* - Bhāsa tr. by M. R. Kale, Bombay, Booksellers' Pub. Co., 1961, ed. 5.
12. *Svapnavāsavadattam* - Bhāsa ed. by M. D. Paradkar etc. with Marathi, Hindi & Gujarati tr. Bombay, Adreesh Prakashan, 1972.
13. *Hitopadeśa* of Nārāyaṇa Paṇḍita, tr. into Hindi by Rāmeśvara Bhaṭṭa ed. by Narayana Rama Acarya, Bombay, Nirnaya Sagar ,1949.
14. *Sanskrit Grammar* with an English Version, Comm. and references, Motilal Banarsidass, 1981. Marmaprakāśikā, Eng. tr. by M. R. Kale, Delhi, MLBD. 1976.
15. वैयाकरण - सिद्धान्त - कौमुदी Part - I, संपा महादेव दामोदर साठे, प्रकाशन - सखाराम आप्टे. संस्कृत पाठशाळा, पुणे.
16. संस्कृत - निबन्ध - रत्नाकरः - डॉ शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.
17. प्रबन्धप्रकाश - भाग १ व २. डॉ. श्री. मंगलदेव शास्त्री, प्रकाशक - बी. एन. माथुर, Indian Press Pvt. Ltd. प्रयाग.
18. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें? उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना.

Paper II : संस्कृत-भाषानैपुण्य - २ *(Mastering Sanskrit Language - II)*

Unit I	संस्कृत - वाग्व्यवहार *(Sanskrit Conversation)*	*20*
Unit II	वाच्य : कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य	*20*
Unit III	तर्कसंग्रह *(Tarka Saṃgraha)*	*10*
	रघुवंश (प्रथम सर्ग)	*10*
	ऋग्वेद (1.1), अथर्ववेद (1.2)	*10*
Unit IV	लघुसिद्धान्त कौमुदी (Laghu Siddhānta- kaumudī)	*10*
	तिङन्त तथा समास (Tiṅanta and Samāsa)	
Unit V	अनुवाद *(Translation)*	*10*
	Mother tongue / Hindi / English *to* Sanskrit	
	Sanskrit *to* Mother tongue / Hindi / English	
	अर्थावबोध (Comprehension)	*10*

Books Recommended :

1. तर्कसंग्रह - दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1971.
2. ***Tarkasaṃgraha*** - Athalye & Bodas, BORI, Pune, 1963.
3. ***Primer of Indian Logic*** - Kuppu Swami Sastri
4. ***An Introduction to Indian Logic*** by S. S. Barlingay, National Pub. House, Delhi, 1965.
5. ***Raghuvaṃśa*** with Mallināṭha ***Ed.*** by Gopal Raghunath Nandargikar, Motilal Banarsidass, Delhi.
6. ***Ṛgveda Ed.*** by Vishva Bandhu, In collaboration with Bhimdev, Vidyānidhi & Munishvardev, Vishveshvaranand Vedic Research Institute, Hoshiarpur, 1966.
7. ***Atharvaveda*** (Śaunaka), Ed. by Vishva Bandhu, Vishveshvaranand Vedic Research Institute, Hoshiarpur, 1960.
8. ***Siddhāntakaumudī*** of Srīmad Bhṭṭojīdīkṣita with Bālamanoramā Comm. of Srīmad Vāsudevadīkṣita Part - I. Ed. by S. Chandrashekhara Sastri. Parimal Publications, Delhi, 1910.
9. ***Varadarāja*** - Laghusiddhāntakaumudī - Saṃjñā, Saṃdhi & Subanta Prakaraṇa with Hindi Comm. by Gaurishankar Sinha, Varanasi, Vishvavidyalaya Prakashan, 1965.
10. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें? उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना, 1971.
11. ***A Higher Sanskrit Grammar*** - M. R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi, 1984.

Paper III : संस्कृत-भाषानैपुण्य - ३ (*Mastering Sanskrit Language - III*)

Unit I संस्कृत - भाषा - साहित्य - इतिहास — ***20***

(History of Sanskrit Language and Literature)

Unit II **व्याकरण** : प्रमुख कृत्, तद्धित एवं स्त्री प्रत्यय — ***20***

(Main kṛt, taddhita and strī - affixes)

कृत्प्रत्यय : क्त्वा, तुमुन्, ण्यत्, यत्, क, क्तवतु, ल्यप् शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्

तद्धित प्रत्यय : मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्

स्त्रीप्रत्यय : टाप्, ङीप्

लघुकौमुदी : कृत्, तद्धित तथा स्त्रीप्रत्यय प्रकरण

Laghu Kaumudī : Kṛt, Taddhita and Strī pratyayas

Unit III (i) मीमांसा - **परिभाषा** ***(Mīmāṃsā Paribhāṣā)*** — ***20***

Unit IV (i) **साहित्यदर्पण** प्रथम परिच्छेद (Sāhityadarpaṇa - first pariccheda)

(ii) **शान्तिपर्व** अध्याय १९२ (Shanti parva Chapt. 192. Pune Edn.)

(iii) **रामायण**, बालकाण्ड १ अध्याय (Rāmāyaṇa, Bālakāṇḍa Chapt. I) — ***20***

Unit V **अर्थावबोध** (Comprehension) — ***20***

Questions on unseen passage

Books Recommended :

1. **संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास** - युधिष्ठिर मीमांसक - रामलाल कपूर ट्रस्ट
2. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** - बलदेव उपाध्याय - शारदा मन्दिर, वाराणसी
3. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** - वाचस्पति गैरोला - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. **साहित्य दर्पण** - शालिग्राम शास्त्री
5. **मीमांसा - परिभाषा** - रामकृष्ण मिशन (Eng. Tr.)
6. **मीमांसा - परिभाषा** - ed. by Mahadevśarma Bakre and Vasudevaśarma Panshikar, Nirnaya-sagar, Bombay, 1933, 1950.
7. ***A Concise History of Sanskrit Literature*** by Gaurinath Shastri,Motilal Banarsidass.
8. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** - बलदेव उपाध्याय - शारदा मन्दिर, वाराणसी
9. ***A History of Indian Literature*** - Maurice Winternitz, Vol. I - Motilal Banarsidass Publishers Private Limited, Delhi.
10. **श्रीमत्कृष्णयज्वप्रणीत - मीमांसापरिभाषा** - नारायण राम आचार्य 'काव्यतीर्थ' - निर्णयसागर प्रेस, मुंबई.
11. **साहित्यदर्पण** - श्रीविश्वनाथ कविराज प्रणीतः - श्रीदुर्गाप्रसाद द्विवेदी - मेहरचन्द लच्छमनदास - नई दिल्ली, 1982.

12. ***Mahābhārata,*** The Great Epic of India; Poona BORI. Sukthankar, V. S. & others. Eds Vol. 13 to 16. शांतिपर्व, 1954.

13. ***Āryārāmāyaṇa :*** Bālakāṇḍa, Godbole K. Pune, 1962.

14. ***Vālmīki Rāmāyaṇa.*** (Vol. I.) ***Ed.*** A. L. Gadgil, Śrīramakośa Maṇḍal, Pune, 1982.

II Year

Paper IV : Introduction to Sanskrit Intellectual Traditions*

Unit I ज्ञानशाखा, चिन्तक, ग्रन्थ - Intellectual Disciplines, thinkers and texts. *20*

Unit II तर्कशास्त्र, भाषाशास्त्र, दर्शन - Logic, Linguistics and Philosophy. *20*

Unit III ज्योतिष, गणित, आयुर्वेद, वार्ता, वास्तुविद्या - Astronomy, Mathematics, Medicine, Vārtā, Architecture. *20*

Unit IV व्याख्या, विश्लेषण - Interpretation and Analysis *20*

Unit V कला, शिल्प - Arts and Crafts *20*

Books Recommended :

1. ***A Concise History of Classical Sanskrit Literature*** Gaurinath Shastri, Motilal Banarsidass , 1987
2. ***The Wonder That was India*** - A. L. Basham, Rupa & Co. Delhi, 1989.
3. ***India : What can it teach us?*** - Max Mueller, F; University of Cambridge, 1892.
4. ***Cultural Heritage of India,*** Vol. 4, Calcutta, 1956.
5. ***A History of Indian Logic*** - Satish Chandra Vidyabhusana, Motilal Banarsidass, Delhi, 1978.
6. मराठी तत्त्वज्ञान महाकोश खंड - ३. प्रमुख संपा. देविदास दत्तात्रेय वाडेकर, मराठी तत्त्वज्ञान महाकोश मंडळ, पुणे - ३०.
7. ***"The Philosophy of Nyāya"*** Bhattacharya, Chandrodaya. JIAR.
8. ***Language and Languages*** - An Introduction to Linguistics - by Willem L. Graff. New York, 1964.
9. ***Bharatiya Jyotish Sastra*** by Sankar Balakrishna Dikshit. Tr. by R. V. Vaidya. Part I. (History of Astronomy during the Vedic & Vedanga Periods. Pub. by The Manager of publications, Delhi, 1969.
10. ***Indian Mathematics & Astronomy.*** Dr. S. Balachandra Rao, Jñāna Deep Publications, Bangalore, 1998.
11. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास - डॉ. भगवतराम, गुप्त, वाराणसी, 1998.
12. ***Līlāvatī of Bhāskarācārya,*** by M. D. Pandit, Sunita Manohar Pandit, Pune, 1992.
13. ***Select Sanskrit Inscriptions*** - V. W. Karambelkar, Nagpur, 1959.
14. ***Mīmāṃsā*** : The Ancient India Science of Sentence-Interpretation, G. V. Devasthali, Indian Books Centre, New Delhi, 1991.
15. ***Introduction to Indian Art ed.*** Mrs. Ananda K. Coomaraswamy. Munshiram Manoharlal, Delhi, 1969.
16. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास : बलदेव उपाध्याय
17. ***Outlines of Indian Philosophy :*** Hiriyanaa
18. ***Introduction to Sanskrit Linguistics : Srimannarayan Murti,*** D. K. Publications, 1984.

* This paper may be offered as optional by students of any Honours Course

Paper V : काव्य - *Kāvya*

Unit I कादम्बरी - कथामुख . Kādambarī - Kathāmukha *20*
('आसीदशेषनरपति ... श्रूयतां यदि कौतूहलम्')

OR

कादम्बरी - महाश्वेतावृत्तान्त Kādambarī - Mahāśvetāvṛttānta
('तस्य च दक्षिणाम् ... उन्मुक्तकण्ठमतिचिरमुच्चैः प्रारोदीत्')

Unit II अभिज्ञानशाकुन्तल, अंक 1 से 4 Abhjñānaśākuntala, Act I to IV *20*

OR

उत्तररामचरित अंक 1 से 3 Uttararāmacarita, Acts I to III

OR

प्रतिमा नाटक (सम्पूर्ण) Pratimā (Complete)

Unit III किरातार्जुनीय, प्रथम सर्ग Kirātārjunīya, Canto I *20*

Unit IV काव्यप्रकाश, उल्लास 1, 2, 3 Kāvyaprakāśa, Chap. I, II, III *20*

Unit V शिलालेख Inscriptions *20*

(i) शकराजस्य रुद्रदाम्नः गिरनाराभिलेखः - Girnar Rock Inscription of Śaka King Rudradāman

(ii) समुद्रगुप्तस्य प्रयागप्रशस्तिः - Allahabad pillar Inscription of King Samudragupta

(iii) राज्ञो भाववर्मणः प्रस्ताराभिलेखः - Stone Inscription of King Bhāvavarman

Books Recommended :

1. कादम्बरी - भानुचन्द्रसिद्धचन्द्र - कृत टीका तथा भट्ट मथुरानाथ शास्त्रिकृत टिप्पण सहित Nirnaya Sagar Press, Bombay-1948.
2. कादम्बरी - कथामुख - भाग - Hindi trans. by Pt. Ramasvaroop Shastri, Ram Narayanlal Beni Madhav, Allahabad, 1961.
3. कादम्बरी - कथामुख - Hindi Com, by pt. Dharmendra Nath Shastri, Prakashan Kendra, Sitapur Rd., Lucknow.
4. *Kādambarī* - Kathāmukha, Eng. Trans. by J. N. S. Chakravarty and Notes - P. V. Kane, Oriental Book Agency, Pune - 1959.
5. अभिज्ञानशाकुन्तल - सं. निरूपण विद्यालंकार, बाबुराम पांडये. साहित्य भंडार, मेरठ, 1974.
6. *Abhijñānaśākuntala* - Ed. and Notes M. R. Kale, Motilal Banarasidass, N. Delhi, 1994.
7. अभिज्ञानशाकुन्तल - व्याख्या - सुबोधचन्द्र पंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 1983.
8. अभिज्ञानशाकुन्तल - व्याख्या - राधावल्लभ त्रिपाठी, म. प्र. हिंदी ग्रंथ अकादेमी, भोपाल.
9. अभिज्ञानशाकुन्तल - रमा संस्कृत, टीका व अनु डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी - 1981.
10. *Uttararāmacharitam with Sanskrit,* Com. Eng. tr. and notes by Sāradāranjan Ray, rev. by Kumudranjan, Ray, 1966.
11. *Uttararāmacaritam* with the comm. Ghanasyāma with notes by P. V. Kane, tr. by C. N. Joshi, ed. 4, Motilal Banarasidas, Delhi, 1962.

12. ***Uttararāmacarita*** - Ed. G. K., Bhat, Popular Publishing House, Surat, 1965.

13. ***Pratimā*** - Ed. M. R. Kale, Motilal Banarasidass, 1977.

14. **प्रतिमा** - संस्कृत हिंदी व्याख्या, श्रीधरानंद शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

15. ***Svapnavāsavadattam*** - Ed. M. R. Kale, Navabharat Prakashan Sanstha, Bombay - rep. Motilal Banarasidass, Delhi, 1961.

16. **स्वप्नवासवदत्तम्** - जयपालविद्यालंकार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 1972.

17. **स्वप्नवासवदत्तम्** - राधावल्लभ त्रिपाठी, म. प्र. हिंदी ग्रंथ अकादेमी, भोपाल.

18. **किरातार्जुनीयम्** - प्रथम सर्ग व्याख्या - जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली.

19. ***Kirātārtjunīyam*** - M. R. Kale, Motilal Banarsidass, New Delhi, 1977.

20. **काव्यप्रकाश** - झलकीकर - वामनी टीका, भंडारकर, प्राच्यविद्या संस्था, पुणे, 1965.

21. **काव्यप्रकाश** - श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ.

22. **काव्यप्रकाश** - विश्वेश्वर, ज्ञानमंडल, वाराणसी, 1960.

23. **काव्यप्रकाश** - डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी - 1955.

24. ***Select Sanskrit Inscriptions*** - V. W. Karambelkar, Nagpur - 1959.

25. **उत्कीर्णलेखपञ्चकम्** - सं. जयचन्द्र विद्यालंकार.

26. ***Poetic Light. Trans.*** - R. C. Dwivedi, Vol. I. Motilal Banarasidass, New Delhi.

27. **भवभूति और उनका उत्तररामचरित**, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली - 1927.

28. ***Bhavabhūti*** - V. V. Mirashi, Motilal Banarasidass, 1974.

29. ***Bhavabhūti*** - R. D. Karamarkar, Karnatak University, Dharwar - 1971.

30. **कालिदास परिशीलन** - राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद्, सागर, 1987.

31. **महाकवि भास** - नेमिचंद्रशास्त्री, म. प. हिंदी ग्रंथ अकादेमी, भोपाल.

32. ***Bhāsa*** - A. D. Pusalkar, Munshiram Manoharlal, 1968.

33. ***Bhāsa*** - V. Venkatachalam, Sahitya Akademi, Delhi.

34. ***Abhijñāna*** - Śākuntala, ***ed.*** with English translation & critical appreciation by A. B. Gajendragadkar, ***ed.*** 2, B'bay, 1934.

35. ***Abhijñānaśākuntalam.*** tr. by C. R. Devadhar, Delhi, Motilal Banarsidass, reprint, 1991.

36. ***Selections from Sanskrit Inscriptions*** by D. B. Diskalkar Classical Publishers, New Delhi, 1977.

Paper VI : वैदिक वाङ्मय - *Vedic Literature*

Unit I संहिता - (Saṃhitās) - a) ऋग्वेदसूक्त - Creation Hymns in the Ṛgveda. **20**

अग्निसूक्त - (Agnisūkta) I. 1. पुरुषसूक्त - (Puruṣasūkta) X . 90.

वागाम्भृणीय सूक्त - (Vāgāmbhṛṇīya) x. 125. संज्ञानसूक्त (Saṃjñāna) X. 191.

Unit II संहिता b) शुक्ल - यजुर्वेद - (Śukla Yajurveda) **10**

रुद्राध्याय - (Chapter XIV. 1-14)

c) अथर्ववेद - भूमिसूक्त - (Bhūmisūkta) XII. 1. 1-10.

Unit III ब्राह्मणग्रन्थाः --Brāhmaṇa Texts **20**

a) ऐतरेय - ब्राह्मण, सोमक्रयण - (I. 3. 12-15) शुनःशेपकथा - (VII. 3.13-18)

b) शतपथ - ब्राह्मण, वेदि - (I. 2. 5. 1-10) सुकन्याख्यात (IV. 1-5. 1-15)

Unit IV आरण्यक तथा उपनिषद् - *Āraṇyaka & Upaniṣad* **20**

तैत्तिरीय - आरण्यक - II. 1. 7.

पञ्च महायज्ञ Pañca Mahāyajña

उपनिषद् : a) बृहदारण्यक उपनिषद् (याज्ञवल्क्यमैत्रेयी संवाद II. 4. 1-14.)

b) मुण्डकोपनिषद् (द्वा सुपर्णा ... III. 1-2.)

Unit V a) ऋग्वेद : प्रातिशाख्य प्रथम पटल **30**

b) पदपाठ and essential Vedic Grammar.

Books Recommended :

1. ***Ṛksūktaśatī*** by H. D. Velankar, Vaidika Saṃśodhana Maṇḍala, Pune - 1965.
2. ***Ṛksūktavaijayantī*** by H. D. Velankar, Bharatiya Vidya Bhavan, Bombay-1972.
3. ***Hymns from the Ṛgveda*** by Peter Peterson, revised by R. D. Karmarkar, Bombay. Sanskrit Series No. XXXVI, 1937.
4. ***A Vedic Reader for students*** by A. A. Macdonell, reprint, Motilal Banarsidass, Delhi.
5. ***A Vedic Grammar for students*** by A. A. Maclonell, reprint, Motilal Banarsidass, Delhi.
6. ***The New Vedic Selection Part I & II*** by N. K. S. Telanga and B. B. Choubey, Bharatiya Vidya Prakashan, Delhi, 1980, 1983.
7. ऋग्वेद प्रातिशाख्य, ed. by मंगलदेव शास्त्री, अलाहाबाद, 1931.
8. ***History of Indian Literature*** - M. Winternitz, Vol. I. Part I, English translation by Kuhu & Ketkar, 1977.
9. ***Phonetics in Ancient India,*** Allen W. S. London, Oxford University Press, 1953.
10. वैदिक वाङ्मयका इतिहास - पं. भगवद्दत्त, Vol. I, Part I & 2.
11. ***A Linguistic Analysis of the Ṛgveda Padapāṭha,*** V. N. Jha, Indian Book Centre, Delhi, 1992.

12. ***Śuklayajurveda*** - Saṃhitā (Vājasaneyi -Mādhyandina), ed. by pt. Jagadish Lal Shastri, Motilal Banarasidass, Delhi, 1978.

13. ***Atharvaveda (Śaunkiya)***, ed. Vishva Bandhu, VVRI, Hoshinarpur, 1960.

14. ***Hymns of the Atharvaveda,*** M. Bloomfield, SB Series, 1973.

15. ***Śatapatha Brāhmaṇa,*** ed. by Ganga Prasad Upadhyaya, The Research Institute of Ancient Scientific Studies, New Delhi, 1967.

16. ***Aitareya Brāhmaṇa of the Ṛgveda*** with the comm. of Sāyaṇa, Calcutta, The Asiatic Society of Bengal, 1895.

17. ***Taittiriya Āraṇyakam*** with the comm. of Sāyaṇa, ed. by Phadke, Babashastri, Ānandashram Sanskrit Granthavali, Poona, 1926.

18. ***Upaniṣatsaṅgrahaḥ*** - Jagadish Lal Shastri (ed.), Motilal Banarsidass, Delhi, 1970.

19. ***One hundred and eight Upaniṣads with various readings***, ed. by Panshikar, Vasudev Laxman, ed. 3. Nirnayasagar, Bombay, 1925.

20. **ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्** tr. by Dr. Virendra Kumar Varma, Kashi Hindu Viśwavidyalaya Sanskṛta Granthamāla, Varanasi, 1970.

III Year

Paper VII : दर्शन (Darśana)*

Unit I चार्वाक दर्शन (Cārvāka-darśana)	***20***
Unit II बौद्ध दर्शन (Bauddha - darśana)	***20***
Unit III जैन दर्शन (Jaina darśana)	***20***
Unit IV प्रत्यभिज्ञादर्शन (Pratyabhijñā - darśana)	***20***
Unit V पाणिनिदर्शन (Pāṇini - darśana)	***20***

All from* सर्वदर्शन संग्रह *of* सायणमाधव *BORI, Pune, 1951.

Books Recommended :

1. ***Lokāyata :*** A Study in Ancient Indian Materialism by D. P. Chattopadhyaya, ICPR, New Delhi, 1968.
2. बौद्धधर्म दर्शन – आचार्य नरेन्द्र देव, पटना, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, 1971.
3. ***History of Śaivism,*** Jash Pranabananda, Calcutta, Roy & Chaudhury, 1974.
4. ***Bhartṛhari*** - A Study of the Vākyapadīya in the light of the Ancient Commentaries, Poona, 1969. Iyer, K. A. S.
5. ***Outlines of Indian Philosophy,*** Hiriyanna, M., 1964.
6. ***History of Indian Philosophy,*** S. N. Dasgupta, The Cambridge University Press, Vol. 1, 1975
7. सर्वदर्शन - संग्रह of सायणमाधव, BORI, Pune, 1951.
8. ***Sarva-darśana - Saṃgraha,*** T. G. Mainkar, BORI, Pune, 1924.
9. ***Cārvākaṣaṣṭi*** by Gagan Deo Giri, Ranchi University, Jyoti, Ranchi, 1980.
10. चार्वाक दर्शन - आचार्य आनन्द झा, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ, 1969.
11. ***The Essentials of Buddhist Philosophy*** ed. by Wingtsif Chan & Charles A. Moore, Delhi, 1975.
12. **जैन धर्म** - Jaina darśana : eka viśleṣaṇa : Delhi. Univ. Pub. 1997.
    एक अनुशीलन, डा. राजेन्द्र मुनि, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली - १०००१५
13. ***Jaina-bhāṣa -darśana***, Sagar Mal Jain, 1986.
14. ***Outline of Jainism,*** ed., by F. W. Thomas, Indore, by J. L. Jaini Trust, 1979.
15. ***Jain Philosophy, Historical outline***, by Bhattacharya-Narendranath, Munshiram Manoharlal, Delhi, 1976.
16. ***Sarvadarśanasaṃgraha*** tr. by E. B. Cowell and A. E. Gough, by K. L.Joshi, Motilal Banarsidass, Delhi, 1986.
17. ***Iśvarapratyabhijñāvimarśinī with Bhāskarī,*** ed. by K. A. Subramania Iyer and K. C. Pandey, Delhi, Motilal Banarsidass, 1986.

---

* **May be offered as an optional by students of Philosophy Honours.**

Paper VIII : तन्त्रविज्ञान *Scientific & Technical Literature**

Unit I आयुर्वेद (Āyurveda)

a) चरकसंहिता, सूत्रस्थान अ. १ Carakasaṃhitā Sūtra sthāna Adh. 1.
दीर्घजीवितीय (On Long life)

b) चरकसंहिता, विमानस्थान (अ. ८ जनपदोध्वंस)
Carakasaṃhitā. Vimānasthāna (Chap. 8. Epidemic) ***20***

Unit II वृक्षायुर्वेद - Horticulture बृहत्संहिता अ. 55 (वृक्षायुर्वेद)
OR शार्ङ्गधरपद्धति अ. ***OR*** 80 (उपवनविनोद) ***20***
Bṛhatsaṃhitā Chap. 55. (Vṛkṣāyurveda)
OR Śārṅgadharapaddhati Chap. 80 (Upavanavinoda)

Unit III वास्तुशास्त्र - Architecture ***20***
बृहद्वास्तुमाला पं. रामनिहोर द्विवेदी ***OR*** बृहत्संहिता वास्तुविद्याध्याय ***OR*** मानसार

Unit VI गणित, भूमिति Mathematics & Geometry ***20***
a) लीलावती, श्रेणीव्यवहारान्त अ. १-३, भास्करीयं बीजगणितम्, अ. 1 & 2
सुधाकर द्विवेदीरेखागणितम् अ. १

Unit V Information Technology ***20***

Books Recommended

1. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास - गुप्ता, भगवत राम, वाराणसी, कृष्णदास अॅकॅडमी, 1998.
2. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास - प्रियव्रत शर्मा, वाराणसी, चौखम्बा ओरिएन्टालिया, 1975.
3. ***History of Indian Medicine from Pre-Mauryan to Kuṣāna Period,*** Mitra, Jyotir, Varanasi, Jyotiraloka Prakashan, 1974.
4. ***Prachin Bharatiya Vrikshayurveda*** by M. D. Pandit, Shubhada Saraswat Prakashan, Pune, 1999.
5. ***Surapāla, Vrikshayurveda :*** The Science of plant life. ed. & tr. by Nalini Sadhale, Secunderabad, Asian Agri-History Foundation, 1994.
6. ***Viśvakarmā Vāstuśāstram,*** with Commentary, ed. with an introduction by K. Vāsudeva Śāstri & N. B. Gadre, Tanjore, T. M. S. S. M. Library, 1958.
7. ***Computers for beginners,*** Thiagarajan R., Delhi, Sterling Publishers, 1986.

*** May be offered as optional by B. Sc. Honours**

Paper IX : भाषाविज्ञान-भूमिका *(Introduction to Linguistics)**

Unit I भाषा का स्वरूप एवं प्रयोग, भाषा एवं उपभाषा, भाषा और समाज
Nature and function of language; language and dialects, Language and Society. ***20***

Unit II ध्वनिविज्ञान : ध्वनि उत्पत्ति-विचार, ध्वनि-वर्गीकरण के सिद्धान्त : स्वर, व्यञ्जन, ध्वनि परिवर्तन, (सन्धि) अक्षर, बलाघात, लय इत्यादि ***20***
Phonetics and phonology : production of speech sounds, principles of classification of sounds : vowels, consonants, process of sound change such as assimilation, dissimilation etc. syllable, stress, rythm and intonation.

Unit III रूपविज्ञान (morphology) ***20***
शब्दसंरचना, रूपविचार शब्दों के वर्गीकरण के सिद्धान्त, शब्द-निर्माण के सिद्धान्त, प्रत्यय-विचार. Morphology : word and its structure, world - classes, inflectional and derivational morphology, interface between morphology and phonology.

Unit IV वाक्यसंरचना - वाक्यरचना तथा वाक्य के प्रकार : Syntax : structure of Sentence, types of sentences ***20***

Unit V रीति-विज्ञान (शैली विज्ञान एवं महावाक्य विचार)
Stylistics and Discourse Analysis. ***20***

Books Recommended

1. ***Introduction to Linguistics,*** Ratford, A. et al Cambridge Univ. Press, 1999.
2. ***Introduction ot Theoretical Linguistics***, Lyons, John, Cambridge Uni. Press, 1968.
3. ***Phonology in generative Grammar***, Kenstowicz M, Basil Blackwell, 1994.
4. ***Morphology,*** Spencer, A., Cambridge University Press, 1995
5. ***Introduction to Government and Binding Theory,*** Basil & Black well. Haegaman, L. 1994.
6. ***Elements of General Phonetics,*** Abercrombie, David, Edinburgh : Edinburgh university Press, 1966.
7. ***Linguistics : An Introduction to Language and Communication,*** Akmajian, A. R. Demers and R. Harnish, Cambridge Mass : MIT Press, 1979.
8. ***The Language Lottery.*** Towards a Biology of Grammars, Lightfoot, D Cambridge Mass : MIT Press. 1982.
9. ***Text Discourse and Process :*** Towards A Multidisciplinary Science Texts, Beaugrande, Robert de, London, Longman. 1980.
10. ***Discourse Analysis,*** Brown, Gillian and Yule, G., London. 1983.
11. ***Morphology,*** Cambridge University Press.

*** May be offered as an optional by students of Language Courses**

Paper X : अर्थशास्त्र तथा धर्मशास्त्र : *Arthaśāstra and Dharmaśāstra**

Unit I	Survey of the literature of Dharmśāstra, Arthaśāstra and Nītiśāstra	***20***
Unit II	Hindu Socio-Political thought and organisation Text : **कौटिल्य अर्थशास्त्र, प्रथम अधिकरण** (The Arthaśāstra of Kauṭilya, Adhikaraṇa I)	***20***
Unit III	Hindu theory of individual and social conduct Text : **मनुस्मृति, अध्याय** 1-6 (Manusmṛti, chapters 1-6)	***20***
Unit IV	Hindu Law **याज्ञवल्क्य स्मृति : व्यवहाराध्याय** (Yājñavalkyasmṛti : Vyavahārādhyāya)	***20***
Unit V	Traditional socio-political, legal thought and contemporary India.	***20***

Books Recommended

1. ***History of Dharmaśāstra*** - P. V. Kane
धर्मशास्त्र का इतिहास - P. V. Kane - Tr. Arjuna Chaube Kasyapa, 1975.
2. ***Considerations of some Aspects of Ancient Indian Polity,*** Madras : Madras University Press.
3. ***Studies in Ancient Hindu polity Based on the Arthaśāstra of Kauṭilya*** (2 Vols.) - N. N. Law, London: Longman Green and Co, 1914.
4. ***State and Govt in Ancient India*** - A. S. Altekar : MLBD 1958.
5. ***Hindu Polity*** - K. P. Jayaswal, Bangalore : Bangalore Printing & pubishing Co.
6. ***Some Aspects of Hindu view of life according to Dharma*** - Śāstras K. V. Rangaswamy Iyengar, Baroda : Baroda University, 1952.
7. ***The Ethics of The Hindus*** - Sushil Kumar Maitra, Calcutta : Calcutta University, 1925.
8. ***The Hindu Social System*** - 1946. S. Varadachariar, K. P. Jayasval, Manu and Yājñavalkya :A Comparison and a contrast, Calcutta Butterrworth, 1930.
9. ***The Hindu Judicial System*** - S. Varadachariar, Lucknow : Lucknow University, 1946.

Articles : The follwing articles in the Cultural Heriltage of India, Vol. II.

- 'The Dharmasūtras and The Dharmaśāstras' - V. A. Ramaswami Sastri
- 'A General Survey of the Literature of Arthaśāstra and Nītiśāstra' - U. N. Ghoshal and V. Radhagovinda Basak.
- 'Some Aspects of Social and Political Evolution in India' - C. P. Ramaswami Aiyar.
- '***The Indian Social Organisation : An Anthropological Study*** - Dr. (Mrs.) Irawati karve.

*** May be offered as an optional by students of Social Sciences.**

- Some Aspects of Social life in Ancient India - H. C. Chakladar
- 'Some Aspects of the Position of Women in Ancient India'- D. C. Ganguly
- 'Economic Ideas of the Hindus' - A. D. Pusalkar
- '***The Manu Saṃhitā***' - V. Raghavan.
- 'The Nibandhas' - Dinesh Chandra Bhattacharya.
- 'The Historical Background and Theoretic Basis of Hindu Law' - P. B. Gajendragadkar.
- '***The Hindu Judicial System***' - P. B. Mukherji.

Appendix 3
M.A. Sanskrit Syllabus

Description

Compulsory Paper : I to VI

Paper I : वैदिक भाषा तथा साहित्य (Vedic Language & Literature) 20

Unit I ऋग्वेद - सूक्त (Ṛgveda Hymns)

1. अश्विनौ (I. 116); 2. इन्द्र (II. 12) 3. विश्वामित्र – नदी – संवाद (III. 33)
4. बृहस्पति (IV. 50); 5. उषस् (V. 80) 6. पूषन् (VI. 53);
7. वरुण (VII. 88) 8. विश्वेदेवाः (VIII. 30); 9. सोम (IX. 80);
10. कितव (X. 34)

Unit II अथर्ववेद - सूक्त (Atharvaveda Hymns) **20**

1. मेधाजननम् (I. 1); 2. शत्रुनाशनम् (II. 12);
3. स्वराज्ये राज्ञः पुनः स्थापनम् (III. 4); 4. शालानिर्माणम् (III. 4)
5. सत्यानृतसमीक्षकः (वरुणः) (IV. 16); 6. सर्पविषनाशनम् (V. 13);
7. राष्ट्रसभा (VII. 12); 8. व्रात्यः (XV. 1)
9. पितृमेधः (XVIII. 3. 1-10) 10. काल (XIX. 53)

Sāmaveda & Yajurveda

1. Sāmaveda (Kauthuma) Pūrvārcika, Pavamāna Kāṇḍa, Adhyāya 5, Khaṇḍas 1 & 2 (Total mantras 20 (2 daśatis)
2. Vājasaneyisaṃhitā Adhyāya 34 Śivasaṅkalpopaniṣad

Unit III ब्राह्मण तथा उपनिषद् (Brāhmaṇas & Upaniṣads) **20**

1. Śatapatha Brāhmaṇa I. 6. 3. 1-21 Story of Tvaṣṭṛ's son Viśvarūpa
2. Taittirīya Brāhmaṇa I. 1, 2. 6-13 Agnyādhāna
3. Taittirīya Upaniṣad 3. 1-10 भार्गवी वारुणी विद्या
4. Īśāvāsyopaniṣad (complete)

Unit IV निरुक्त (Nirukta) **20**

Adhyāyas 1, 2 &7, Prātiśākhya, śikṣā & General

Unit V 1. तैत्तिरीय प्रातिशाख्य 1. (Taittirīya Prātiśākhya)

2. पाणिनीय शिक्षा (Pāṇinīya Śikṣā) **20**

Books Recommended

1. ***Ṛksūkta Vaijayantī*** - Velankar H. D., Vaidika Saṃśodhana Maṇḍala, Pune, 1965 .
2. ***Ṛksūktaśatī*** - Velankar, H. D. Bharatiya Vidya Bhavan, Mumbai, 1972.
3. ***Vedic Selections*** - P. Peterson .
4. ***Vedic Selections*** - A. Macdonell.
5. ***Hymns of the Atharvaveda*** - M. Bloomfield, Motilal Banarsidass, 1964.
6. ***Selections from Brāhmaṇas and Upaniṣads*** - Mehendale, M. A. & Dhadphale, M. G., University of Poona.
7. ***The New Vedic Selection,*** Telang and Chaubey, Bharatiya Vidya Prakashan, Varanasi, 1973.
8. ***Yajurveda Saṃhitā*** with Eng., Tr. by Griffith, Parimal Publications, New Delhi, 1997.
9. ***Sāmaveda Saṃhitā*** with Eng. Tr. by Griffith, Parimal Publications, New Delhi, 1996.
10. ***The Nighaṇṭu and the Nirukta*** with Text & Eng., Tr. by Laxman Svarup, Motilal Banarsidass, Delhi-1967.
11. ***Pāṇini Śikṣā*** with Eng., Tr. by Manmohan Ghosh, University of Calcutta, 1938.
12. वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, वाराणसी, १९८०.

Paper II : व्याकरण एवं भाषा विज्ञान *(Grammar and Linguistics)*

Unit I संज्ञा एवं परिभाषा : सिद्धान्त-कौमुदी संज्ञा एवं परिभाषा-प्रकरण *20*
Definitions and Metarules (Siddhānta Kaumudī - Saṃjñā and Paribhāṣā Prakaraṇas)

Unit II कारक एवं विभक्त्यर्थ (सिद्धान्तकौमुदी, कारकप्रकरण) *20*
Kāraka and Vibhaktyartha (Siddhānta Kaumudī, Kāraka Prakaraṇa)

Unit III पालि - प्राकृत Sandhi and Samāsa *20*

Unit IV वाक्यसंरचना - सिद्धान्त (Syntactic Theories) *20*

Unit V अर्थविज्ञान - सिद्धान्त (Semantic Theories) *20*

Books Recommended

1. सिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजिदीक्षित.
2. कच्चायन व्याकरण - लक्ष्मीनारायण तिवारी.
3. अभिनव प्राकृत-प्रकाश - नेमिचन्द्र शास्त्री.
4. ***Transformational Grammar*** - Ratford, A. Cambridge Uni. Press, 1988.
5. ***Introduction to Linguistics*** - Ratford, A. et al., Cambridge Uni. Press, 1999.
6. a) ***Introduction to Theoretical Linguistics*** - Lyons, John, 1968.
   b) ***Linguistic Semantics*** - Lyons, John, Cambridge Uni. Press, 1995.
7. ***General Linguistics : An Introductory Survey*** - Robins, R. H., Indiana Press, Bloomington, 1964.
8. ***Introduction to Government and Binding Theory*** - Haegaman, L., Basil Blackwell, 1994.
9. ***Principles and Parameters***-Culicover, P.W. , Oxford Univ. Press, 1997.
10. ***An Introduction to the Science of Meaning*** - Oxford Blackwell, Semantics : 1962.
11. ***Sanskrit Syntax*** - J. S. Speijer, MLBD.
12. ***An Introduction to Language*** - Fromkin, V. and R. Rodman, New York, etc. Harcourt, Brace Jovanovich College Publishers, 1988, 1992.
13. ***The Principles of Semantics*** - Blackwell, Ullmann, Stephen, 1957.
14. ***Semantic Analysis*** - Ithaca, N.Y. Ziff,Paul, Cornell University Press, 1960.
15. ***Linguistics : An Introduction to Language and Communication*** - Akmajian, A. R. Demers and R. Harnish, Cambridge Mass; MIT Press, 1979.

Paper III : दर्शन *(Philosophy)*

Unit I	तर्कसंग्रह - दीपिका सहित (Tarkasaṅgraha with Dīpikā)	*20*
Unit II	अर्थसंग्रह (Arthasaṅgraha)	*20*
Unit III	सांख्यकारिका गौडपादभाष्यसहित (Sāṅkhya-kārikā with Gauḍapāda-bhāṣya)	*20*
Unit IV	प्रत्यभिज्ञादर्शन (सर्वदर्शन संग्रह) Pratyabhijñādarśana (Sarvadarśanasaṅgraha)	*20*
Unit V	वेदान्तसार (Vedāntasāra)	*20*

Books Recommended

1. ***Tarkasaṅgraha*** of Annambhaṭṭa with Tarkadīpikā & Nyāyabodhini Tr. & Ed. Athale & Bodas, BORI, Pune, 1988.
2. ***Tarkasaṅgraha*** - Hindi Tr. by Dayananda Bhargav, Motilal Banarasidass, 1998.
3. ***Arthasaṅgraha***, E. Gajendragadkar & Karamarkar, Motilal Banarsidass, 1984.
4. ***Sāṅkhyakārikā*** Tr. by Jagannath Shastri, Motilal Banarsidass, 1966.
5. ***Sāṅkhyakārikā*** with Eng. Tr. by Wilson, Delhi, 1978.
6. ***Sarvadarśanasaṅgraha,*** Eng. Tr. by Cowell, Delhi, 1981.
7. ***Sarvadarśanasaṅgraha,*** Hindi Tr. by Umashankar Sharma Chaukhamba, 1964.
8. ***Vedāntasāra***, Eng. Tr. by Swami Nikhilananda, Calcutta, 1974.
9. ***Vedāntasāra***, Hindi Tr. by Maheshcandra Bharatiya, Ghaziabad, 1978.
10. ***Arthasaṃgraha*** by Vacaspati Upadhyaya, Chaukhamba Orientalia, Varanasi, 1983.

Paper IV : साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र *(Poetics and Aesthetics)*

Unit I प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक, प्रमुखसिद्धान्त *20*
(Main Texts, Thinkers and major Theories)

Unit II भरत - नाट्यशास्त्र, अध्याय 1 (Nāṭyaśāstra, ch. 1) *20*
भामह - काव्यालंकार अध्याय 1 (Kāvyālaṅkāra ch.1)

Unit III वामन - काव्यालंकारसूत्रवृत्ति : प्रथम अधिकरण अध्याय 1 *20*
Vāmana, Kāvyālaṅkārasūtravṛtti Adhikaraṇa I, Chapter I

Unit IV दण्डी - काव्यादर्श : प्रथम अध्याय (Daṇḍin, Kāvyādarśa, Chapter 1) *20*

Unit V a) आनंदवर्धन ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत *20*
(Ānandavardhana, Dhvanyāloka, Uddyota 1)
b) अन्य परम्परा, आधुनिक विचार तथा साहित्यिक क्रिया
(Other traditions, contemporary thought and literary practices)

Books Recommended:

1. ***The Dance of Shiva,*** by Anand Coomaraswamy.
2. ***'Sanskrit Poetics' in Cultural Heirtage of India,*** vol. 5., by Gaurinath Sastri, 1978.
3. ***'Literary theory; Indian Conceptual Frame work'*** by Kapil Kapoor, Affiliated East-West Press, 1998.
4. ***Nāṭyaśāstra*** of Bharatamuni Eng. Tr. by N. P. Unni, 1998.
5. स्वतन्त्रकलाशास्त्र (Vol. I & II) K. C. Pandey, Varanasi, 1978.
6. ***Western and Indian Poetics : A Comparative Study*** by S. Dhaygude, BORI, 1981.
7. ***Indian Literary Theroies,*** by K. Krishnamurthy, Delhi, 1985.
8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका by नगेन्द्र, Delhi, 1963.
9. The ***Kāvyālaṅkārasūtravṛtti***, Ganganath Jha, New Delhi.
10. ***Kāvyādarśa of Daṇḍin,*** Narasimha Deva Śāstri, Lahore, 1933.
11. ***Dhvanyāloka of Ānandavardhana,*** K. Krishnamurthy, Motilal Banarsidass, Delhi, 1982.
12. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका, by नरेन्द्र Delhi, 1978.
13. ***Bhāmaha, Kāvyālaṅkāra,*** by Devendranath Sharma, Patna, 1962.

Paper V : काव्य *(Kāvya)*

Unit I	मेघदूत - (पूर्वमेघ) (Meghadūta, Pūrvamegha)	*20*
Unit II	मेघदूत - (उत्तरमेघ) (Meghadūta, Uttara-megha)	*20*
Unit III	नैषधीयचरित - प्रथम सर्ग (Naiṣadhīyacarita, Canto I)	*20*
Unit IV	मृच्छकटिक - सम्पूर्ण (Mṛcchakaṭika, Complete)	*20*
Unit V	वेणीसंहार (Veṇīsaṃhāra, Complete)	*20*

Books Recommended

1. ***Meghadūta*** Ed. & Notes, M. R. Kale, Motilal Banarasidass, Delhi.
2. ***Naiṣadhīyacarita***, Nirnyasagar, Bombay, 1942.
3. ***Mṛcchakaṭika*** - M. R. Kale, Booksellers and Publishers Co, Bombay, 1952.
4. मृच्छकटिक - पृथ्वीधरकृत टीका निर्णय सागर प्रेस्, बम्बई.
5. वेणीसंहार - शिवराज शास्त्री, साहित्य भंडार, सुभाष बाजार, मेरठ.
6. ***Veṇīsaṃhāra :*** Eng. Trans. A. B. Gajendragadkar, Bombay, 1941.
7. ***Naiṣadhīyacarita of Śrīharṣa :*** A Study : Handiqui, Deccan College, Pune, 1956.
8. महाकवि शूद्रक - रमाशंकर तिवारी, चौखम्बा, वाराणसी.
9. ***Introduction to the Study of Mṛcchakaṭika*** - Dr. G. V. Devasthali.
10. मृच्छकटिक - शालग्राम द्विवेदी, शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी - 1982.

Paper VI : भाषा संस्कृति तथा इतिहास *(Language, Culture and History)*

Unit I **भारत-इतिहास** (History of India) : Sources of History; Sarnswati Valley and Indus Valley civilisation, Vedic Age, Age of the Buddha, Guptas and Mauryas, The Middle Ages, The British Period, Post - 1947. ***20***

Unit II **धार्मिक परम्परा तथा ज्ञान** (Religious systems and thought) : Vedic modes of worship, ethics of the Upaniṣads, Buddhism - Hīnayāna, Mahāyāna. Jainism, Schools of Asceticism Hinduism - religion of the epics and purāṇas ***20***

Unit III **प्रधान भारतीय दर्शनशास्त्र** (Main Indian Philosophical Systems) ***20***

Unit IV **कला** (The Arts): ***20***

Temple architecture and sculpture, Buddhist art and architecture, Music, Dance and Drama

Unit V **भाषा तथा साहित्य** (Language and Literature) ***20***

Sanskrit - Vedic to classical

Prakrit, Pali, Apabhraṃśa, Tamil : Sangam to Modern

Speech and writing, Vedic Poetry

Narrative poetry, Prose Narratives - Purāṇas

Pali Literature, Prakrit Literature, Tamil Literature,

Folk Literary forms.

Books Recommended

1. ***The Wonder That was India,*** A. L. Basham, Indian edition, Rupa, 1989.
   Chapter III for section on History.
   Chap. VII for section on Religious Systems and Thought.
   Chap. VIII for section on the Arts.
   Chap. IX for section on literature.
2. ***Cultural Heritage of India***, Vol. I : Five essays in Part I under the heading 'The Background of Indian Culture'
3. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, रामजी उपाध्याय, वाराणसी.
4. प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ, परमात्मा शास्त्री, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, 1975.
5. प्राचीन भारत का इतिहास, रमाशंकर त्रिपाठी.
6. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता अनु. गुणाकर मुले, दामोदर धर्मानंद कोसंबी, राजकमल प्रकाशन, 1999.
7. ***The Dawn of Indian Civilization*** (upto 600 B. C.), Pandey, G. C. New Delhi, 1999.
8. ***The Indus Sarasvati Civilization : Origins, Problems and Issues*** by S. C. Gupta, Delhi, 1996.
9. ***Civilization of Ancient India,*** Louis Renou, Tr. by Phillip spratt, Calcutta, 1959.

10. ***History of Indian Philosophy,*** S. N. Dasgupta, Delhi.

11. भारतीय कला, वासुदेवशरण अग्रवाल, वाराणसी, १९६६.

12. ***Indo-Aryan Language,*** by Jule Bloch, U. P. Hindi Samiti, 1963. (Hindi Tr.)

13. ***A History of Indian Literature,*** M. Winternitz.

14. ***Sangam Literature*** by Nilakaṇṭha Shastri, Madras, 1972.

15. ***Introduction to Indian Art,*** A. Coomarswamy, Delhi, 1969.

Optional Groups : Paper VII to X
Optional Papers from any one (1 the 18) Groups

1. वेद (Veda)

Paper VII : वैदिक - साहित्य - इतिहास *(History of Vedic Literature)*

Unit I संहिता (Saṃhitā) : Ṛgveda, Atharvaveda, Sāmaveda, Yajurveda, contents Vedic recensions (śākhās), textual differences, recitation. **20**

Unit II ब्राह्मण - आरण्यक - उपनिषद् (Brāhmaṇas, Āraṇyakas & Upaniṣads) : Their compositions, contents, styles; ***Vedāṅgas :*** Their significance, contents, styles. **20**

अथर्ववेद - सूक्त (Atharvaveda Hymns)

Unit III
1. रुधिरस्रावनिवर्तनम् (I. 17)
2. महद्ब्रह्म (I. 32)
3. परमधाम (वेनसूक्तम्) (II. 1)
4. कृमिनाशनम् (II. 32)
5. दीर्घायुःप्राप्तिः (III. 11)
6. ब्रह्मौदनम् (IV. 34)
7. वाजिनीवान् ऋषभः (IV. 38)

20

Unit IV
8. ब्रह्मगवी (V. 18)
9. तक्मनाशम् (V. 22)
10. अरिष्टक्षयणम् (omens) (VI. 27)
11. अभययाचना (driving away pests) (VI. 50)
12. पतिवशीकरणम् (VIII. 37)
13. पार्ष्णिसूक्तम् (X. 20)
14. ब्रह्मचारिसूक्तम् (XI. 5)

20

Unit V
15. रोहितसूक्तम् (XIII. 3. 1-10)
16. सूर्यासूक्तम (XIV. 1. 1-16)
17. विषासहिसूक्तम् (XVII)
18. रात्रिसूक्तम् (XIX. 53)
19. दुष्वप्ननाशनम् (XIX. 57)
20. कुन्तापसूक्तम् (XX. 127)

20

Books Recommended

1. ***History of Indian Lit.,*** Vol., I, Part 1., J. Gonda, Saṃhitā, 1975.
2. ***History of Indian Literature,*** Vol. I, II : Ritual Sūtra.
3. ***History of Inidan Literature,*** Vol. I : Vedic Literature, M. Winternitz.
4. ***Hymns of the Atharvaveda,*** by M. Bloomfield, Motilal Banarsidass, Delhi-1964.
5. ***Vedic Bibliography,*** R. N. Dandekar, BORI, Pune.

Paper VIII : वैदिक ग्रन्थ तथा व्याकरण *(Vedic Texts & Grammar)*

ऋग्वेद - सूक्त (Ṛgveda Hymns)

Unit I	1. अग्नि (I. 19);	2. सूर्य (I. 50);	3. आप्रियः (I. 142);	
	4. विष्णु (I. 154);	5. ब्रह्मणस्पति (II. 23);	6. मित्र (III. 59);	
	7. मरुत् (V. 57)			***20***
Unit II	8. पर्जन्य (V. 83)	9. वास्तोष्पति (VII. 55);	10. मित्रावरुणौ (VII. 61);	
	11. सरस्वती (VII. 95);	12. मण्डूक (VII. 103);	13. यम (X. 14);	
	14. पितरः (X. 15)			***20***
Unit III	15. मृत्यु (X. 18);	16. सरमा-पणि (X. 108);	17. भिक्षुसूक्त (X. 117);	
	18. लवसूक्त (X. 119);	19. हिरण्यगर्भ (X. 121);	20. नासदीय (X. 129)	***20***
Unit IV	वैदिक व्याकरण (Vedic Grammar)			***20***
Unit V	सायण - ऋग्वेद भाष्य भूमिका (Sāyaṇa's Ṛgbhāṣyabhūmikā)			***20***

Books Recommended

1. ***A Vedic Grammar for Students*** by A. A. Macdonell, Motilal Banarsidass, Delhi, 1968.
2. ***Sāyaṇa's Introduction to the Ṛv.*** (English Trans.), P. Peterson
3. ***Ṛgvedabhāṣyabhūmikā*** with Hindi Comm. bu Jagannath Pathak, Varanasi, 1960.
4. ***Vedic Bibliography***, R. N. Dandekar, BORI, Pune.

Paper IX : वैदिक श्रौत - वाङ्मय *(Vedic Ritual Texts)*

Unit I शतपथ ब्राह्मण (Śatapatha Brāhmaṇa) Kāṇḍa V, वाजपेय ***20***

Unit II शतपथ ब्राह्मण (Śatapatha Brāhmaṇa) Kāṇḍa V, राजसूय ***20***

Unit III शतपथ ब्राह्मण (Śatapatha Brāhmaṇa) Kāṇḍa V, चरकसौत्रामणी ***20***

Unit IV आपस्तम्ब श्रौतसूत्र (Āpastamba Śrauta Sūtra) Praśna 1, 2 & 3 ***20***

Unit V आपस्तम्ब श्रौतसूत्र (Āpastamba Śrauta Sūtra) Praśna दर्शपूर्णमासेष्टिः ***20***

Books Recommended

1. ***Śatapatha Brāhmaṇa***, Ed. G. P. Upadhyaya, New Delhi, 1970.
2. The Śrautasūtra of Āpastamba, Ed. S. Gopalacharya, Mysore, 1954.
3. ***Śrautakośa*** Ed. R. N. Dandekar, & C. G. Kashikar, Pune. 1978.
4. ***History of Indian Literature*** (Vol. I) by M. Winternitz, Delhi, 1977.
5. ***Vedic Bibliography***, R. N. Dandekar, BORI, Pune.

Paper X : वेदव्याख्या तथा ग्रन्थ *(Vedic Interpretation and Text)*

Unit I **वैदिक - अध्ययन - विवरण** (Survey of Vedic Studies)

History of Traditional Interpretation : **Padapāṭha, Bṛhaddevatā; Sarvānukramaṇī, Kalpasūtras,** Nirukta, Bhāṣyas of Skanda Maheśvara, Mādhava, Sāyaṇa etc. ***20***

Unit II **आधुनिक - वैदिक - अध्ययन - विवरण** (Survey of Modern Interpretation) :

1. Western Scholars - Wilson, Roth, Whitney, Max Mueller, Oldenberg,Grassman, Hillebrandt Luders, Weber, Caland, Renou, Gonda etc.
2. Indian Scholars - Dayānanda, Aurobindo, Madhusūdana Ojha etc. ***20***

Unit III **अभिनव - वेदव्याख्या** (New Trends in Vedic Studies : Relevance in Modern times) ***20***

Unit IV **आश्वलायन - गृह्यसूत्र** (Āśvalāyana Gṛhyasūtra)

Adhyāyas 1 & 2 ***20***

Unit V **आश्वलायन - गृह्यसूत्र** (Āśvalāyana Gṛhyasūtra)

Adhyāyas 3 & 4 ***20***

Books Recommended

1. ***A History and principles of Vedic Interpretation***, by Ram Gopal, Delhi, 1983.
2. ***A Linguistic Analysis of the Ṛgrveda-padapāṭha,*** by V. N. Jha, Delhi, 1992.
3. ***Vaidika Vyākhyā Vivecana,*** by Ram Gopal, Delhi, 1976.
4. ***Bṛhaddevatā***, Ed. with Hindi Tr. and notes by R. K. Rai, Varanasi, 1963.
5. ***Ṛgvedasarvānukramaṇī and Anuvākānukramaṇī of Śaunaka,*** Ed. U. C. Sharma, Aligarh, 1977.
6. ***India of Vedic Kalpasūtras***, by Ram Gopal, Delhi, 1959.
7. ***The Nighaṇṭu and the Nirukta,*** (Text & Tr.) by L. Svarup, Varanasi, 1967.
8. **निघण्टु तथा निरुक्त**, हिन्दी अनुवाद - सत्यभूषण योगी, दिल्ली - १९६७.
9. ***Vedic Bibliography,*** R. N. Dandekar, BORI, Pune.

2. व्याकरण (Vyākaraṇa)

Paper VII : व्याकरण-परम्परा (Tradition of Grammar)

Unit I प्रातिशाख्य (Prātiśākhya) Śikṣā, Nirukta, Pāṇinī's predecessors : Śākaṭāyana, Āpiśali etc. Munitraya: Pāṇini, Kātyāyana, Patañjali. **20**

Unit II चान्द्रव्याकरण (Cāndravyākaraṇa) Jainendra, Kāśikā, Nyāsa and Padamañjarī and other Vṛtti Granthas. Vimala Sarasvatī, Ramachandra. **20**

Unit III भर्तृहरि Bhartṛhari and Philosophy of grammar, Neo-grammatical Tradition of Pāṇinian School. and Bhaṭṭoji Dīkṣita, Nageśa Bhaṭṭa and Kauṇḍa Bhaṭṭa. **20**

Unit IV अष्टाध्यायी (Aṣṭādhyāyī) I.1 with Nyäsa **20**

Unit V पाणिनीय शिक्षा (Pāṇinīya Śikṣā) **20**

Books Recommended

1. ***An Account of the Different Existing Systems of Sanskrit Grammar,*** Belvalkar, Shripada Krishna, 1976, Bhartiya Vidya Prakashan, Varanasi.
2. ***Pāṇinīya Vyākaraṇa kā anushīlana,*** Bhattacharya, Ram Shankar, 1966, Indological Book House, Varanasi.
3. ***Panini : A Survey of Research,*** The Hague, Mouton, Cardona, George 1976.
4. ***Linguistics : An Introduction to Language and Communication,*** Akmajian, A. R. Demers and R. Harnish 1979, Cambridge Mass : MIT Press.
5. ***An Introduction to Comparative Philology,*** Gune, P. D.
6. चान्द्रव्याकरणवृत्तेः समालोचनात्मकम् अध्ययनम् by H. Mishra, Delhi, 1974.
7. ***Pāṇinīya Śikṣā,*** Ed. & Tr. by M. M. Ghosh, Delhi, 1986.
8. ***A History of Grammatical Literature,*** by Hartmut Scharfe, Wiesbaden : Otta Marrasowitz, 1977.
9. व्याकरणशास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिर मीमांसक.
10. ***Vyākaraṇaśātretihāsaḥ***, by B. Tripathi
11. जैनेन्द्र व्याकरण.

Paper VIII : व्याकरण दर्शन *(Philosophy of Grammar)*

Unit I पस्पशाह्निक - प्रदीप - उद्योत - सहित
(Paspaśāhnika with Pradīpa and Udyota) *20*

Unit II प्रत्याहाराह्निक - प्रदीप-उद्योतसहित
(Pratyāhārāhnika with Pradīpa & Udyota) *20*

Unit III वाक्यपदीय स्वोपज्ञटीकासहित कारिका *1 - 43* *20*
(Vākyapadīya with Bhartṛhari's own Commentary Kārikās 1 to 43.)

Unit IV वाक्यपदीय स्वोपज्ञटीका सहित कारिका - 44 - 106 तक
(Vākyapadīya with Bhartṛhari's own commentary Kārikās 44 to 106) *20*

Unit V वाक्यपदीय स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 107 - 156
(Vākyapādīya with Bhartṛhari's own commentary Kārikās 107 to 156) *20*

Books Recommended

1. ***Vyākaraṇamahābhāṣya*** with Kaiyaṭa's ***Pradīpa*** & Nāgeśa's ***Udyota*** (Vol. I) Ed. by R. K. Shastri & S. D. Kudala, Varanasi, 1987.
2. ***Vyākaraṇamahābhāṣya*** with ***Pradīpa & Udyota***, (Part I) Ed., Vedavrata, Rohatak, 1962.
3. ***Vākyapadīya of Bhartṛhari,*** Ed. K. A. S. Iyer, Delhi, 1983.
4. ***Vākyapadīya*** of Bhartṛhari with the comms : ***Vṛtti*** & ***Paddhati*** Ed. K. A. S. Iyer, Pune, 1995.
5. ***Linguistic Introduction to Sanskrit,*** Ghose, B. K.
6. ***The Descriptive Technique of Paṇini,*** An Introduction, Misra, Vidya Niwas, Mouton, The Hague, 1966.
7. ***Vyākaraṇaśāstretihāsaḥ,*** Tripathi, Brahmananda
8. ***India as Known to Pāṇini,*** Agrawal, Vasudev Sharan. 1963. Prithivi Prakashan. Varanasi.
9. ***Vyākaraṇa shāstra kā itihasa,*** Mīmaṁsaka, Yudhisthir.

Paper IX : नव्य व्याकरण : प्रक्रिया तथा दर्शन

Unit I	समास (सिद्धान्तकौमुदी)	*20*
Unit II	तिङन्त (सिद्धान्तकौमुदी)	*20*
Unit III	सुबन्त (सिद्धान्तकौमुदी)	*20*
Unit IV	धात्वर्थनिर्णय, (लकारार्थनिर्णय) (परमलघुमञ्जूषा) *OR* धात्वर्थनिरूपण, लकारार्थनिरूपण (वैयाकरणभूषणसार)	*20*
Unit V	स्फोटनिरूपण, (परमलघुमञ्जूषा) *OR* स्फोटनिर्णय (वैयाकरणभूषणसार)	*20*

Books Recommended

1. नागेशभट्टकृत वैयाकरणसिद्धान्त परमलघुमञ्जूषा - कपिल देवशास्त्री, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, प्रकाशन - 1915.
2. वैयाकरणभूषणसार - कौण्डभट्ट.
3. ***Paramalaghumañjūṣā*** of NāgeṣaBhaṭṭa, Ed. J. L. Tripathi, Varanasi, 1985.
4. ***Paramalaghumañjūṣā*** with ***Tippaṇi***, Ed. Ahkhadeva Sharma, Varanasi, 1981.
5. ***Paramalaghumañjūṣā*** with the comm. ***Jyotsnā***, Ed. K. P. Shukta, Baroda, 1961.
6. The ***Sphoṭanirṇaya*** of Kauṇḍa Bhaṭṭa Ed. & Tr. by S. D. Joshi, Pune, 1967.

Paper X : संस्कृत व्याकरण परंपरा तथा आधुनिक भाषा विज्ञान
(Tradition of Sanskrit Grammar and Modern Linguistics)

Unit I नागेशभट्ट : परिभाषेन्दुशेखर : शास्त्रत्वसंपादकप्रकरण
(Śāstratvasaṃpādakaprakaraṇa) ***20***

Unit II परिभाषेन्दुशेखर : बाधबीजप्रकरण (Bādhabījaprakaraṇa) ***20***

Unit III न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्ड)
(Nyāyasiddhāntamuktāvalī Śabdakhaṇḍa) ***20***

Unit IV पाणिनि - व्याकरण परम्परा और आधुनिक भाषाविज्ञान
(Pāṇinian Grammatical Tradition and Modern Linguistic Theories)
ध्वनिविज्ञान, रूपविज्ञान : (Phonology, Morphology) ***20***

Unit V पाणिनि - व्याकरण परम्परा और आधुनिक भाषाविज्ञान
(Pāṇinian Grammatical Tradition and Modern Linguistic Theories)
वाक्य-संरचना तथा अर्थविज्ञान (Syntax and Semantics) ***20***

Books Recommended

1. ***Paribhāṣenduśekhara*** of Nāgeśa with a Hindi comm. ***Subodhini***, Ed. V. Mishra, Varanasi, 1985.
2. ***Paribhāṣenduśekhara*** of Nāgeśa with a comm. ***Durgā*** and Hindi Tr. by H. Mishra, Delhi, 1978.
3. ***Nyāya Philosophy of Language,*** Tr. of Śabdakhaṇḍa of ***Nyāyasiddhāntamuktāvalī***, by J. Vattanky, Delhi, 1995.
4. ***Pāṇinīya Aṣṭādhyāyī ke Racanā Siddhānta,*** by B. Gaud, Ghaziabad, 1985.
5. ***Introduction to Theoretical Linguistics,*** Lyons, John, Cambridge University press, Cambridge, 1968.
6. ***A Short History of Linguistics,*** Robins, R. H., Longmans, London, 1967.
7. ***General Linguistics: An Introductory Survey,*** Robins, R. H., Indiana Press, Bloomington, 1964.
8. ***Knowledge of language, its Nature, origin and use,*** Chomsky, N., New York, Praeger, 1986.
9. ***Introduction to Linguistics,*** Ratford, A. et al., Cambridge University Press, 1999.
10. ***Transformational Grammar,*** Ratford, A., Cambridge University Press, 1988 :
11. ***Government and Binding Theory and the Minimalist Programme,*** Webelhuth, G. Ed. Massachusetts, Basil Blackwell, 1995.
12. ***Phonology in generative grammar,*** Kenstowicz, M, Basil Blackwell, 1994.
13. ***Phonology,*** Basil Blackwell, Spencer, A. 1996.
14. ***Morphology,*** Spencer, A., Cambridge University Press, 1995.
15. ***Morphology,*** Katamba, F., The Macmillan Press Ltd., Londons, 1993.

16. ***Morphology,*** Word Structure in Generative Phonology, Jensen, J., John Benjaman Publishing Company, Amsterdam, 1990.
17. ***Introduction to Government and Binding Theory,*** Haegaman, L. Basil Blackwell, 1994.
18. ***Critical Studies in the Phonetic Observation of Indian Grammarians***, S. Varma.
19. ***Phonetics in ancient India,*** W. S. Allen, 1953.
20. ***A Survey of the Pre-Paninian Grammatical thought Indian Linguistics,*** Palsule, 1957.
21. ***Zero and Panini. Indian Linguistics,*** W. S. Allen 1953.
22. ***On Panini's Morphophonemic Principles of Language*** 41.2., G. Cardona.

3. दर्शन *(Darśana)*

Paper VII : भारतीय दर्शन : एक परिचय
(Indian Philosophy : An Introduction)

Unit I भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय : विषयवस्तु
(Schools of Philosophical Thought in India) — *20*

Unit II दार्शनिक साहित्य : उद्भव एवं विकास
(Origin and Development of Philosophical Literature) — *20*

Unit III सर्वदर्शनसंग्रह (चार्वाकदर्शन) Sarvadarśanasaṅgraha (Cārvāka darśana) — *20*

Unit IV सर्वदर्शनसंग्रह (बौद्धदर्शन) Sarvadarśanasaṅgraha (Bauddha darśana) — *20*

Unit V सर्वदर्शनसंग्रह (आर्हतदर्शन) Sarvadarśanasaṅgraha (Ārhata darśana) — *20*

Books Recommended

1. ***A History of Indian Philosophy,*** by J.N. Sinha, Calcutta, 1952.
2. ***The Philosophical Traditions of India,*** by P.T. Raju, Delhi, 1998.
3. ***Sarvadarśanasaṅgraha*** of Mādhava, Eng. Tr. by E. B. Cowell and A.E. Gough, Delhi, 1981.
4. ***Sarvadarśanasaṅgraha*** of Mādhava Ed. by U.S. Sharma, Varanasi, 1964.

Paper VIII : न्याय-वैशेषिक-मीमांसा : प्रमाण तथा प्रमेय

(Nyāya-Vaiśeṣika-Mīmāṃsā: Epistemology and Metaphysics)

Unit I न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड)
Nyāyasiddhāntamuktāvalī (Pratyakṣakhaṇḍa) ***20***

Unit II न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)
Nyāyasiddhāntamuktāvalī (Anumānakhaṇḍa) ***20***

Unit III न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्ड)
Nyāyasiddhāntamuktāvalī (Śabdakhaṇḍa) ***20***

Unit IV वेदान्तपरिभाषा (प्रत्यक्ष परिच्छेद)
Vedāntaparibhāṣā (Pratyakṣa-paricchedа) ***20***

Unit V मानमेयोदय
Mānameyodaya ***20***

Books Recommended

1. ***Nyāyasiddhāntamuktāvalī,*** Hindi Tr. by D.N. Shastri, Delhi, 1971.
2. ***Nyāya Philosophy of Language,*** Ed & Tr. by S.J. John Vattanky, Delhi, 1995.
3. ***Mānameyodaya of Nārāyaṇa,*** Ed. & Tr. by C.K. Raja, Madras, 1933.

Paper IX : सांख्य-योग-मीमांसा : मूलग्रन्थ
(Sāṃkhya-Yoga-Mīmāṃsā : Basic Texts)

Unit I साङ्ख्यकारिका (साङ्ख्यतत्त्वकौमुदीसहित) ***1-20***
Sāṅkhyakārikā with (Sāṅkhyatattva Kaumudī) ***20***

Unit II सांख्यकारिका (२१-७२)
Sāṃkhya-Kārikā (21-72) ***20***

Unit III योगसूत्र (समाधिपाद) व्यासभाष्य तथा तत्त्ववैशारदीसहित
Yogasūtra with Vyāsabhāṣya and Tattvavaiśāradī (Sāmadhipāda) ***20***

Unit IV योगसूत्र (साधनपाद) व्यासभाष्य तथा तत्त्ववैशारदीसहित
Yogasūtra with Vyāsa-bhāṣya and Tattvavaiśāradī (Sādhanapāda) ***20***

Unit V जैमिनिसूत्र शाबरभाष्य (तर्कपाद)
Jaiminisūtra Śābarabhāṣya (Tarkapāda) ***20***

Book Recommended

1. ***Tattvakaumudī*** of Vācaspati Ed & Eng. Tr. by G. N. Jha, Pune, 1965. (3rd Edn.)
2. ***Patañjali's Yogasūtras*** with ***Vyāsabhāṣya*** & ***Tattvavaiśāradī,*** Ed, & Tr. by Ram Prasad, New Delhi, (Reprint). 1978.
3. ***Śābarabhāṣya*** (vol. I) Eng. Tr. by G. N. Jha, Baroda, 1973. (Reprint)
4. ***Vedāntaparibhāṣā*** of ***Dharmarājādhvarīndra,*** Ed. G. Musalgaonkar, Varanasi, 1977.
5. ***Perceiving in Advaita Vedānta :*** Epistemological Analysis and Interpretation, Bina Gupta, MLBD, 1995.

Paper X : दर्शन की प्रासङ्गिकता *(Relevance of Philosophy)*

Unit I ब्रह्मसूत्र - शांकरभाष्य (चतुःसूत्री)
Brahmasūtrā Śāṅkarabhāṣya (catuḥsūtrī) *20*

Unit II श्रीभाष्य (श्रुतप्रकाशिकासहित) ब्रह्मसूत्र १.१.१ पर
Śrībhāṣya on Brahmasūtra 1.1.1. with Śrutaprakāśikā *20*

Unit III दार्शनिक विश्लेषण Philosophical Analysis *20*

Unit IV जीवन में दर्शन की उपयोगिता (Application of Philosophy in life) *20*

Unit V दर्शन तथा पर्यावरण Philosophy and Ecology *20*

Book Recommended

1. ***Brahmasūtraśāṅkarabhāṣya,*** Eng. Tr. by V.M. Apte, Bombay, 1960.
2. ***The Vedāntasūtras*** with the ***Śrībhāṣya*** of Rāmānuja, Tr. by M. Rangacharya & M. B. V. Iyengar, Nungambakkam, 1965.
3. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् **सत्यानन्दीन्दीपिका** - हिन्दी टीका - सहित, सत्यानन्द सरस्वती, गोविन्द मठ, वाराणसी, 1971.

4. काव्य (Kāvya)

Paper VII : संस्कृत काव्य परम्परा परिचय
(Introduction to the tradition of Sanskrit Kāvya)

Unit I संस्कृत काव्य परम्परा में महाकाव्य, खण्डकाव्य, गद्य, चम्पू, मुक्तक की विधाओं का विकास। भामह, दण्डी व विश्वनाथ द्वारा प्रदत्त इनके लक्षण।
(Origin and Development of various genres in classical Sanskrit literature - Mahākāvya, Khaṇḍakāvya, Gadya, Campū, Muktaka, their definitions by Bhāmaha, Daṇḍin and Viśvanātha.) **20**

Unit II संस्कृत काव्य परम्परा में लक्षण संबंध।
(Interrelationship between literature and literary criticism in Sanskrit) **20**

Unit III संस्कृत नाटक का उद्भव और विकास। रूपक के प्रकार व रूपक की संरचना - सन्धि, सन्ध्यङ्ग, अवस्था, अर्थोपक्षेपक।
(Origin and Development of Sanskrit Drama forms (Rūpaka). Structure of Drama : Sandhi - Sandhyaṅga, Avasthā, Arthopakṣepaka. Text - Prescribed : - Daśarūpaka of Dhanañjaya with vṛtti of Dhanika.) **20**

Unit IV कुमार सम्भव - कालिदास सर्ग 1-5 मल्लिनाथकृत संजीवनीसहित।
(Kumārasambhava of Kalidāsa Cantos 1-5 with Commentary of Mallināṭha) **20**

Unit V मुद्राराक्षस नाटक - विशाखादत्त (Mudrārākṣasa of Viśākhādatta) **20**

Books Recommended

1. ***Indian Kāvya Literature,*** by A. K. Warder (Vol I to IV), Delhi, 1989.
2. ***A New History of Sanskrit Literature,*** by Krishna Chaitanya, 1977.
3. ***Aspects of Poetic Language,*** by K. Krishnamoorthy, Pune, 1986.
4. ***History Classical of Sanskrit Literature,*** by S. K. De & S. N. Dasgupta, Calcutta.
5. ***Sanskrit Theory of Drama and Dramaturgy,*** by T. G. Mainkar, Delhi, 1978.
6. ***Bharata Nāṭyamañjarī,*** by G.K. Bhat, Pune, 1975.
7. ***The Theory of the Sandhis and the Sandhyaṅgas,*** by T. G. Mainkar, Delhi - 1978.
8. ***Daśarūpaka,*** Ed. & Tr. by F Hall.
9. **दशरूपकम्** (नन्दीटीकासहित), रामजी उपाध्याय, वाराणसी.
10. ***Kumārasaṃbhava*** of Kālidāsa
11. **कुमारसम्भव कालिदास,** सूर्यकान्त, साहित्य अकादेमी, दिल्ली.

12. ***Mudrārākṣasa*** of Viśākhadatta, by M. R. Kale, Delhi. 1991.

13. ***Mudrārākṣasa*** - Ed. & Tran. R. R. Deshpande, Popular Book Store, Surat, 1948.

14. ***Mudrārākṣasa,*** Ed. and notes by Saradaranjan Ray, Calcutta.

15. ***Sanskrit Drama,*** A. B. Keith.

Paper VIII : स्तोत्र, मुक्तक तथा सुभाषित *(Stotra, Muktaka and Subhāṣita)*

Unit I सौन्दर्यलहरी - शंकराचार्य लक्ष्मीधरकृत टीकासहित। *20*
(Saundaryalaharī of Śaṅkarācārya with commentary of Lakṣmīdhara)

Unit II मोहमुद्गर (Mohamudgara) *20*

Unit III घटकर्पर काव्य - अभिनवगुप्तकृत घटकर्परकुलकविवृत्तिसहित *20*
(Ghaṭakarparakāvya with the Comm. Ghaṭakarparakulakavivṛtti of Abhinavagupta)

Unit IV कलि - विडम्बन - नीलकण्ठ दीक्षित (Kaliviḍambana - Nīlakaṇṭha Dīkṣita)
आर्यासप्तशती - गोवर्धन - प्रथम 50 गाथाएँ
(Āryāsaptaśatī of Govardhana first 50 gāthās) *20*

Unit V सुभाषित साहित्य तथा सुभाषित संग्रहों का परिचय
(Introduction to Subhāṣita literature and Subhāṣita Saṃgrahas.)
संस्कृत का लोककाव्य (People's poetry in Sanskrit.) *20*

Books Recommended

1. ***Saundaryalaharī*** of Śaṅkara Ed. Swami Tapasyananda, Madras, 1987.
2. घटकर्पर काव्य - तारानाथ व अभिनवगुप्तकृत टीका स. (प्रथम खंड - २) सं. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
3. कलिविडंबन - नीलकण्ठ दीक्षितस्य लघुकाव्यानि में संकलित। संस्कृत परिषद् उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।
4. आर्यासप्तशती - गोवर्धन। काव्यमाला निर्णयसागर प्रेस, बम्बई, 1934.
5. ***Mahāsubhāsitasaṃgraha,*** Ed. Ludwig Sternbach, Vishveshvaranand Vedic Research Institute, (Introduction).
6. ***Subhāṣitaratnakośa*** - Vidyakara, Ed. D. D. Kosambi and Ingalls, Harvard Oriental Series No. 42. 1957. (Introduction)
7. संस्कृत कविता की लोकधर्मी परंपरा - राधावल्लभ त्रिपाठी, (द्वि. सं.) रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा 1999.
8. कलिविडम्बन - काव्यमाला गुच्छक - ५ निर्णय सागर प्रेस, बम्बई।
9. ***Āryāsaptaśatī***, Ed. by R. K. Tripathi Varanasi - 1965.
10. ***Poetry and Poetical Rhetorics in Indian Literature,*** R. T. H. Griffith, Delhi. 1985.
11. ***Ancient Indian Folk Cults,*** by V. S. Agarwal, Varanasi, 1976.

Paper IX : गद्य, चम्पू तथा ऐतिहासिक काव्य
(Prose, Campū and Historical Poems)

Unit I	हर्षचरित, प्रथम उच्छ्वास (Harṣacarita I ucchvāsa)	*20*
Unit II	विश्वगुणादर्शचम्पूः - वेंकटाध्वरिन् (Viśvaguṇādarśa Campū of Veṅkatādhvarin)	*20*
Unit III	विक्रमाङ्कदेवचरित-बिल्हण प्रथम सर्ग (Vikramāṅkadevacarita of Bilhaṇa, Canto I)	*20*
Unit IV	ऐतिहासिक महाकाव्य : रामायण, महाभारत (Historical Epics : Rāmāyaṇa and Mahābhārata)	*20*
Unit V	ऐतिहासिक काव्यों का परिचय (Introduction to Historical Poems in Sanskrit)	*20*

Books Recommended

1. हर्षचरित - अनु. जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा, वाराणसी.
2. हर्षचरित प्रथम उच्छ्वास, अनु. रतिनाथ झा, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली 2000.
3. ***The Harṣacarita of Bāṇabhāṭṭa,*** Text & Notes, Ucchvāsas I-VIII, Kane P. V., Motilal Banarasidass, Delhi, 1986.
4. ***The Harṣacarita of Bāṇa***, Cowell E. B. & The mas F. W. (Tr. English) Motilal Banarasidass, Delhi, 1993.
5. ***Viśvaguṇādarśacampū*** of Veṅktādhvarī, Surendranath Śastri, Hindi Tr. by Pathaka Jatashankar, (Chowkhamba Vidyabhavan, 1963).
6. ***Viśvaguṇādarśacampū***, of Veṅkatādhvarin, Ed. by Yogi B. G. & Bakre M. G. Nirṇayasagar, Bombay, 1923.
7. ***Vikramāṅkadevacaritam*** by Vidyāpati Bilhaṇa, Ed. Buehler George, Bombay Sanskrit Series No. XIV 1875.
8. ***Vikramāṅkadevacaritam*** by Bilhaṇa, Shastri Murari Lal Nagar, The Princess of Wales, Sarasvatī Bhavana Texts Series, No. 82, Banaras.
9. ***Vikramāṅkadevacaritam*** with Hindi Tr., Bhardvaja Vishvanāthaśāstri, B. H. U. Banaras, 1964.
10. ***Epic Sequence***, Bhattacharya Tapodhir, Bhartiya Vidya Prakashan, Delhi, 1996.
11. ***History of Classical Sanskrit Literature*** - Krishnamacariar, M., Motilal Banarasidass, Delhi, 1974.
12. ***Sanskrit Sahitya kā Vishada Itihāsa***, Gupta Puṣpā, Eastern Books Linkers, Delhi, 1994.
13. ***The Rāmāyaṇa Tradition in Asia,*** by V. Raghavan, Delhi, 1980.

14. ***The Mahābhārata : As it was, is and ever shall be : A Critical Study,*** by P. N. Mullick, Calcutta, 1934.

Supplimetary Readings:

1. ***The Deeds of Harṣa - Being a cultural Study of Bāṇa's Harṣacarita",*** Agarwal Vasudeva S., Prithivi Prakashana, Varnasi, 1969.
2. ***Champūkāvya kā ālocanātmaka evam aitihāsika adhyayana,*** Tripathi, Chavinātha, Chowkhamba Vidyabhavana, Varanasi, 1965.

Paper X : संस्कृत काव्य तथा आधुनिक विश्व
(Sanskrit Kāvya and Modern world)

Unit I कालिदास का भारतीय साहित्य तथा विश्वसाहित्य पर प्रभाव
Influence of Kālidāsa on Indian Literature and world literature *20*

Unit II संस्कृत साहित्य में समाज - Society as reflected in Sanskrit Literature
संस्कृत साहित्य में जीवन मूल्य - Values of life in Sankrit literature
संस्कृत काव्यों का विभिन्न शास्त्रों से अंतःसंबंध - धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र आदि।
Interrelationship between Sanskrit poetry and various śāstras (Dharmaśāstra, Arthaśāstra etc.) *20*

Unit III संस्कृत नाटक और विश्वरंगमंच, ग्रीक रंगमंच की परंपरा। संस्कृत नाट्यपरंपरा का उनकी तुलना में वैशिष्ट्य। संस्कृत नाटक व नाट्यशास्त्र का आधुनिक रंगमंच पर प्रभाव।
Sanskrit Drama and world theatre. Tradition of Greek theatre and unique features of Sanskrit theatre in comparison to it, influence of Sanskirt Drama and Nāṭya - śāstra on Modern Theatre.
संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता
Nationality in Sanskrit Literature *20*

Unit IV भट्टमथुरानाथ शास्त्री, व्ही. राघवन्, क्षमा राव, जानकीवल्लभशास्त्री, श्रीनिवास रथ, बटुकनाथ खिस्ते, रतिनाथ झा, बच्चूलाल अवस्थी की कविताओं का अध्ययन ("आयतिः" काव्य-संकलन से)
Study of Poems of Bhatta Mathuranath Sastri, V. Raghavan, Kṣama Rao, Janaki Vallabh Shastri, Shrinivas Rath, Batuknath Khiste, Ratinath Jha and Bachchulala Awasthi (from Āyatiḥ".) *20*

Unit V बीसवीं शताब्दी का संस्कृतसाहित्य तथा आधुनिक भाषाओं में साहित्य से उनका अन्तःसंबंध
Sanskrit Literature in Twentieth Century and its interrelation with literature in Modern Languages. *20*

Books Recommended

1. आयतिः - (संकलन) सं. राधावल्लभ त्रिपाठी संस्कृत परिषद् विश्वविद्यालय सागर 1987.
2. ***India Poetic Tradition,*** Ed. Vidyaniwas Mishra and Agyeya.
3. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रियता, डॉ. हरिनारायण दीक्षित भाग 1-3.
4. संस्कृत और राष्ट्र की एकता, संपादक, राधावल्लभ त्रिपाठी, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद.

5. काव्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र *(Poetics and Aesthetics)*

Paper VII : ग्रन्थ - तथा चिन्तक - परम्परा *(Tradition of Texts and Thinkers)*

Unit I रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, गुण-दोष, औचित्य, महाकाव्य, प्रबन्ध - विश्लेषण अर्थनिर्धारण. (Brief introduction to major Literary theories and texts) ***20***

Unit II काव्यशास्त्र : उद्गम तथा विकास (Formation of the discipline of poetics and its assumptions. Origin and development of literary compositions.) ***20***

Unit III वाङ्मय - सौन्दर्य - शास्त्र (Literary Aesthetics) ***20***

Unit IV राजशेखर : काव्यमीमांसा (Rājaśekhara : Kāvyamīmāṃsā) ***20***

Unit V राजशेखर : काव्यमीमांसा (Rājaśekhara : Kāvyamīmāṃsā) ***20***

Books Recommended

1. ***Western and Indian Poetics : A Comparative Study***, by S. Dhaygude, Pune, 1981.
2. ***Glimpses of Ancient Indian Poetics***, Eds. V. N. Jha & S. Pandey, Delhi, 1993.
3. ***Studies in Modern Indian Aesthetics***, by S. K. Nandi Shimla, 1975.
4. रससिद्धान्त, नगेन्द्र, दिल्ली, १९६९.
5. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका, नगेन्द्र, दिल्ली, १९७६.
6. ***Kāvyamīmāṃsā*** of Rājaśekhara, Tr. & Notes by Sadhana Parashar, Delhi, 2000.
7. ***The dance of shiva***, Anand Commaraswamy, NY. 1957.
8. ***Indian Aesthetics and the Sources of Language***, Tarapada Chakrabarty, Calcutta : 1971.
9. ***Sanskrit Poetics as a study of Aesthetics***, S. K. De, Berkeley : 1963.
10. ***Indian Literay Theories***, K. Krishnamoorthy, Delhi, 1985.

Paper VIII : रस - ध्वनि - सिद्धान्त *(Theories of Rasa and Dhvani)*

Unit I नाट्यशास्त्र, अध्याय 6, 7 अभिनय. (Nāṭyaśāstra, chs 6, 7) ***20***

Unit II अभिनवगुप्त रससूत्र - टीका : अभिनवभारती
(Abhinavagupta. Abinavabhāratī [on rasa-sūtra]) ***20***

Unit III ध्वन्यालोक उद्योत 1, (Dhvanyāloka, first Udyota) ***20***

Unit IV अभिनवगुप्त ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत लोचन - I, 1, 5, 13 वीं कारिका पर टीका
(Locana on Dhvanyāloka Udyota - I, 1, 5, 13th Kārikā) ***20***

Unit V रसगंङ्गाधर प्रथम आनन
(Rasagaṅgādhara, Ist ānana) ***20***

Books Recommended

1. ***'Sanskrit Poetics' in cultural Heritage of India,*** Gaurinath Śāstri, Vol. 5. 1978.
2. ***Literary Theory - Indian Conceptual Frame Work,*** Kapil Kapoor, Affiliated East-west, 1998.
3. ***The Theories of Rasa and Dhvani,*** A. Sankaran, Madras, 1929.
4. ***Suggestion and statement in Poetry,*** Krishna Rajan, London : 1997.
5. **रसमीमांसा** (Hindi), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (Acarya. Ramachandra Śukla Rasa-mīmāṃsā), Varanasi, 1947.
6. ***Abhinavagupta on Indian Aesthetics,*** Y. S. Walimbe, Delhi : 1980.
7. ***The Aesthetic Experience According to Abhinavagupta,*** Raneiro Gnoli (tr.) ; Varanasi, 1985.
8. ***Some Aspects of the Rasa Theory,*** by Ed. V. M. Kulkarni, Delhi, 1986.
9. ***A Transcultural Approach to Sanskrit Poetics,*** by C. Rajendran. Calicut, 1994.
10. ***The Aesthetic Experience According to Abhinavagupta,*** by G. Raniero, Varanasi, 1968.
11. ***Nāṭyaśāstra*** with ***Abhinavabhārati,*** Vol. I, Hindi Tr. by Madhusudanashastri, Varanasi, 1971.
12. ***Nāṭyaśāstra*** of Bharatamuni Tr. by N. P. Unni, Delhi. 1998.
13. ***Dhvanyāloka*** of Ānandavardhana, (Udyota I) Hindi Tr. by R. S. Tripathi, Delhi, 1973.
14. ***Ānandavardhana's Dhvanyāloka,*** Ed. & Tr. by K. Krishnamoorthy, Delhi, 1982.
15. ***Rasagaṅgadhara*** of Jagannatha Hindi Tr. by B. N. Jha & Madan Mohan, Varanasi, 1978.

Paper IX : साहित्य-सिद्धान्त *(Literary Theories)*

Unit I	रुय्यक अलंकारसर्वस्व (सम्पूर्ण) (Ruyyaka, Alaṅkārasarvasva)	*20*
Unit II	वामन काव्यालंकार - सूत्रवृत्ति प्रथम अधिकरण अध्याय 1-3 (Vāmana, Kāvyālaṅkārasūtravṛtti) I Adhikaraṇa Chapt I-II)	*20*
Unit III	दण्डी काव्यादर्श, प्रथम, द्वितीय परिच्छेद : (Daṇḍin, Kāvyādarśa) - I & II Pariccheda	*20*
Unit IV	कुन्तक वक्रोक्तिजीवित प्रथम उन्मेष (Kuntaka, Vakroktijīvita I Unmeṣa)	*20*
Unit V	मम्मट काव्यप्रकाश - चतुर्थ एवं पंचम उल्लास (Mammaṭa), Kāvyaprakāśa) ullāsas IV & V महिमभट्ट व्यक्तिविवेक - प्रथम परिच्छेद (Mahima bhaṭṭa) Vyakti Viveka - I Pariccheda	*20*

Books Recommended

1. ***Alaṅkārasarvasva*** of Ruyyaka, with the comm. ***Sañjīvanī***, Ed. by V. Raghavan, Delhi, 1965.
2. ***Alaṅkārasarvasva*** of Rājānaka Ruyyaka, Hindi Tr. & Explanation, by Reva Prasad Dvivedi, Varanasi, 1971.
3. ***The Kāvyālaṅkārasūtravṛtti*** of Vāmana, Eng. Tr. by G. N. Jha, Delhi, 1990.
4. ***Kāvyādarśa of Daṇḍin,*** Ed. Nṛsimhadeva Shastri, Lahore - 1933.
5. ***Vakroktijīvita*** of Kuntaka, Ed. K. Krishnamoorthy, Dharwad, 1977.
6. ***Vyaktiviveka*** of Mahimabhaṭṭa Ed. by R. P. Dvivedi, Varanasi, 1979.
7. ***A Study of Mahimabhaṭṭa's Vyaktiviveka,*** by C. Rajendran, Calicut, 1991.
8. ***The Kāvyaprakāśa of Mammaṭa*** (Part I) Ed. G. N. Jha, Varanasi, 1967.

Paper X : तुलनात्मक सौन्दर्यशास्त्र *(Comparative Aesthetics)*

Unit I अर्थशास्त्र अधिकरण XV (Arthaśāstra, adhikaraṇa XV) ***20***

Unit II साहित्यदर्पण प्रथम व द्वितीय परिच्छेद
(Sāhityadarpaṇa, 1st and II Paricheda) ***20***

Unit III अन्य - सम्प्रदाय : प्लेटो तथा अरस्तू
(Other traditions : Plato and Aristotle) ***20***

Unit IV संरचनावाद तथ प्रसङ्गानुरूप बहु-आयामी व्याख्या
(Structuralism and De-construction) ***20***

Unit V आधुनिकोत्तरतावाद (Post-Modernism) ***20***

Books Recommended

1. ***The Kauṭilya Arthaśāstra,*** Part I Eng. Tr. & notes by R. P. Kangle, Delhi, 1972.
2. ***Kauṭilīya Arthaśāstra*** Hindi Tr. (Vol. III) by Udayavira Shastri, Delhi, 1970.
3. स्वतन्त्रकलाशास्त्र (द्वितीय खण्ड:पाश्चात्य) by K. C. Pandey, Varanasi, 1978.
4. ***Western and Indian Poetics, A Comparative Study,*** by S. Dhaygude, Pune. 1981.
5. ***Art Experience,*** by Hiriyanna, M., Kāvyālaya Publishers, Mysore, 1954.
6. ***Symposium,*** Plato.
7. ***Aristotle's Theory of Poetry and Fine Art,*** Butcher, S. H. ***Tr.*** Kalyāṇī Publishers, Delhi, 1985.
8. ***Literary Theory,*** Peter Barry.
9. ***Sāhitya Darpaṇa,*** (I, II and X), by P. V. Kane.

6. सांख्य-योग *(Sāṃkhya-Yoga)*

Paper VII : सांख्य-योग-परिचय *(Introduction to Sāṃkhya and Yoga)*

Unit I **सांख्यकारिका से पूर्व सांख्यदर्शन के आचार्य, वेद, उपनिषद्, महाभारत, चरक संहिता, सुश्रुतसंहिता में सांख्य-सिद्धान्त, सांख्य-कारिका तथा सांख्य-कारिका की व्याख्याएँ, सांख्यसूत्र, अनिरुद्ध तथा विज्ञानभिक्षु**

Pre-kārikā Sāṃkhya philosophers; Sāṃkhya thoughts in Vedas, Upaniṣads, Mahābhārata, Caraka, Suśruta; Sāṃkhya-Kārikā and its commentaris; Sāṃkhya-sūtra : Aniruddha and Vijñānabhikṣu. ***20***

Unit II **पातञ्जल-योगसूत्र से पूर्व योग, योगसूत्र तथा उसकी व्याख्याएँ : व्यासभाष्य, तत्त्ववैशारदी, योगवार्त्तिक आदि, सांख्य तथा योगदर्शन का सम्बन्ध**

Pre-Patañjali Yoga; Yoga-Sūtra and its commentaries : Vyāsa-bhāṣya, Tattva-vaiśāradī, Yogavārttika, etc. Relationship between Sāṃkhya and Yoga. ***20***

Unit III **सांख्यसार - विज्ञानभिक्षु** Sāṅkhyasāra, Vijñānabhikṣu ***20***

Unit IV **योगसारसङ्ग्रह - विज्ञानभिक्षु** - Yogasārasaṅgraha, Vijñānabhikṣu ***20***

Unit V **भोजवृत्ति (राजमार्तण्ड)** Bhojavṛtti (Rāja - mārtaṇḍa) ***20***

Books Recommended

1. Origin and Development of the Sāṃkhya System of Thought, Pulinbihari Chakravarti, Munshiram Manoharlal.
2. Early Sāṃkhya, E. G. Johnston
3. **सांख्य-दर्शन का इतिहास,** उदयवीरशास्त्री, विरजानन्द वैदिक संस्थान ज्वालापुर, 2001 वि. स.
4. Yoga as Philosophy and Religion, S.N. Dasgupta.
5. Classical Sāṃkhya, G. J. Larson.
6. History of Sāṅkhya Philosophy, by S. C. Vidyabhushan, Calcutta, 1898.
7. Sāṃkhya Philosophy, Ed. R. G. Bhandarkar, Bombay, 1871.
8. Pātañjali-yoga-darśana Ed. by R. S. Bhattacharya, Delhi, 1974. (with Tr. & Comm. Vyāsabhāṣya)
9. Sāṅkhyasāra of Vijñānabhikshu, Tr. with notes by Shivakumar, Delhi, 1998.
10. Yogasārasaṅgraha of Vijñānabhikshu, Ed. by Vindhyeshvariprasad, Madras, 1993.
11. Pātañjala-darśana with comm of Bhojadeva, Ed. Jivananda Vidyasagar, Calcutta, 1903.
12. Pātañjala-yogasūtram with Vṛtti of Bhoja, Tr. by Amaldhari Sinha, Delhi, 1979.

Paper VIII : मूलग्रन्थ : सांख्य *(Basic Texts : Sāṃkhya)*

Unit I **सांख्यतत्त्वकौमुदी पर बालराम उदासीन की टिप्पणसहित विद्वत्तोषिणी**
Bālarama Udāsina's Annotated Vidvattoshini on Sāṅkhyatattvakaumudī ***20***

Unit II **सांख्यकारिका - युक्तिदीपिका सहित**
Sāṃkhya-kārikā with the commentary Yuktidīpikā ***20***

Unit III **सांख्यसूत्र - अनिरुद्धवृत्ति सहित**
Aniruddha's commentary on Sāṅkhya-sūtras ***20***

Unit IV **सांख्यप्रवचनभाष्य-अध्याय - 1** ***20***
Sāṅkhya-pravacanabhāṣya - ch. 1

Unit V **सांख्यप्रवचन भाष्य - अध्याय - 2** ***20***
Sāṃkhya-pravacana-bhāṣya, Chapter-2

Books Recommended

1. ***Tattvakaumudī*** of Vācaspatimiśra, with the comm. ***Vidvattoṣiṇī*** Ed. by Balarama Udāsina, Haradwar, 1931.
2. ***Sāṅkhyakārikā*** with the comm. by Balaram Udasina, Haradwar, 1931.
3. ***Sāṅkhyakārikā*** with the comm. Sāṅkhyatattvakaumudī by Vācaspati Miśra, ed. by Venkatashastri Lele, Bombay, 1929.
4. ***Yuktidīpikā,*** the ancient comm. of the Sāṅkhyakārikā of Īśvarakṛṣṇa, Ed. R. C. Pandey, New Delhi, 1967.
5. ***Sāṅkhyasūtravṛtti*** of Aniruddha and the comm. ***Vṛttikāra*** of Mahadeva Vedanti, Ed. by Richard Garbe, Calcutta, 1888.
6. ***Sāṅkhyapravacanabhāṣya,*** of Vijñānabhikṣu, Vol. 2. Ed. by Richard Garbe, Harvard University Press, 1943.

Paper IX : योग : मूलग्रन्थ *(Yoga : Basic Texts)*

Unit I	तत्त्ववैशारदी-समाधिपाद - Tattva-Vaiśāradī, Samādhipāda	*20*
Unit II	तत्त्ववैशारदी - साधनपाद - Tattva-Vaiśāradī, Sādhana-pāda	*20*
Unit III	तत्त्ववैशारदी पर बालराम उदासीन के टिप्पण - Bālarama Udāsina's annotations on Tattva-Vaiśāradī ***OR*** तत्त्ववैशारदी - कैवल्यपाद - Tattva-Vaiśāradī, kaivalyapāda	*20*
Unit IV	योगवार्त्तिक - समाधिपाद - Yogavārttika, Samādhipāda.	*20*
Unit V	योगवार्त्तिक - साधनपाद - Yogavārttika, Sādhanapāda	*20*

Books Recommended

1. ***Yogadarśana*** with ***Vyāsabhāṣya*** Eng. Tr. with notes from Vācaspati's ***Tattvavaiśāradī*** by G. N. Jha, Bombay, 1907.
2. ***Patañjali's Yogasūtra*** with ***Vyāsabhāṣya*** and ***Tattvavaiśāradī,*** Tr. & Ed. by Ram Prasad, New Delhi, 1978 (Reprint)
3. ***Yogavārttikam,*** Ed. by R. K. Patwardhan, Benares, 1984.
4. ***Yogavārttika,*** Tr. by T. S. Rukmani, Delhi, 1981.

Paper X : सांख्य-योग-प्रासंगिकता *(Relevance of Sāmkhya and Yoga)*

Unit I योगवार्त्तिक - कैवल्यपाद - Yogavārttika - Kaivalyapāda — ***20***

Unit II विज्ञानामृतभाष्य - Vijñānāmṛtabhāṣya sūtras 1-5 — ***20***

Unit III दिनकरीसहित न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - प्रत्यक्षखण्ड - (आत्मवाद)
Nyāyasiddhāntamuktāvalī with Dinakarī (Ātmavāda) — ***20***

Unit IV ध्यान की विधियाँ तथा आधुनिक मानसिक तनाव
Methods of meditation and mental stress of modern life.
योगदर्शन एवं प्रबन्ध - प्रशासन सिद्धान्त
Influence of Yoga-philosophy on The Theories of management. — ***20***

Unit V सांख्य-सिद्धान्त की तर्क-प्रवणता
Logical nature of Sāṅkhya Thought. — ***20***

Books Recommended

1. ***Yogavārttikam,*** Ed. by R. K. Patwarshan, Benaras, 1884.,
2. ***Yogavārttika,*** Tr. by T. S. Rukmani, Delhi, 1981.
3. ***Nyāyasiddhāntamuktāvalī,*** Hindi Tr. by D. N. Shastri, Delhi, 1971.
4. ***Meditation : Its Practice and Results,*** by Clara in Codd, Madras, 1952.
5. ***Yoga of Meditation,*** by Krishnananda, 1981.
6. ***History of Indian Philosophy,*** by J. N. Sinha, Calcutta, 1952.
7. ***Studies in Indian Philosophy,*** Krishna Chandra Bhattacharya, MLBD, 1983.

7. प्राचीनन्याय *(Prācīna-Nyāya)*

Paper VII : प्राचीन न्याय : उद्गम तथा विकास
(Origin and Development of Prācīnanyāya)

Unit I भारतीय तर्कशास्त्र : ग्रन्थ तथा चिन्तक
(Indian Logic : Texts and Thinkers) **20**

Unit II गौतमसूत्र ***(1.1.1 - 1.1.8)*** वात्स्यायनभाष्यसहित
(Gautamasūtras 1.1.1 to 1.1.8 with Vātsyāyanabhāṣya) **20**

Unit III उद्योतकर-वार्त्तिक (गौ. सू. 1.1.1 - 1.1.8)
(Vāttika of Udyotakara on GS 1.1.1 - 1.1.8) **20**

Unit IV वाचस्पति - तात्पर्यटीका (गौ. सू. 1.1.1 - 1.1.8)
(Tātparya-ṭīkā of Vācaspati on GS 1.1.1 to 1.1.8) **20**

Unit V उदयन - परिशुद्धि **(गौ. सू. 1.1.1. - 1.1.8)**
(Pariśuddhi of Udayana on GS 1.1.1 to 1.1.8) **20**

Books Recommended

1. ***A History of Indian Philosophy,*** by S. N. Dasgupta, Vol. 1 - V, Delhi, 1975.
2. **भारतीय दर्शन** (हिन्दी), by U. Mishra, Lucknow, 1957.
3. ***Nyāyadarśana*** with Vātsyāyanas ***Bhāṣya,*** Udyotakara ***Vārtika,*** Vācaspati Mishra's ***Tātparyaṭīkā*** and Vishvanath's ***Vṛtti,*** Ed. by A.M. Tarkatīrtha and T. Nyāyatarkatīrtha, Munshiram Manoharlal, Delhi, 1985.
4. ***The Nyāyasūtras of Gautama*** (Eng. Tr.) with notes from Vācaspati Mishra's ***Tātparyaṭīkā*** and Viśvanātha's ***Vṛtti*** by Ganganath Jha, Motilal Banarsidass, New Delhi, 1984.
5. ***History of Indian Philosophy,*** by Umesh Misra (Tirbhukti Publication)
6. ***Nyāyabhāṣya and Nyāyavārtika,*** Bengali translation by Pramathnath Tarkabhushana.
7. ***Prasannapadāṭīkā on Nyāyabhāṣya,*** by Sudarśanācārya.

Paper VIII : दार्शनिक प्रश्न *(Philosophical Issues)*

ग्रन्थ : न्यायकुसुमाञ्जलि तथा आत्मतत्त्वविवेक

Text : Nyāyakusumāñjali and Ātmatattvaviveka

Unit I	**ईश्वर-स्वरूप** (Concept of God)	***20***
Unit II	**ईश्वर-स्वीकार-हेतु** (Grounds to accept God)	***20***
Unit III	**ईश्वरानुमानस्वरूप** (Form of Inference of God)	***20***
Unit IV	**आत्म-स्वरूप** (Concept of Soul)	***20***
Unit V	**आत्मसाधक प्रमाण** (Grounds to establish Soul)	***20***

Books Recommended

1. ***Nyāyakusumāñjali*** of Udayana Eng. Tr. by Ganganath Jha, Varanasi, 1973.
2. ***Nyāyakusumāñjali*** of Udayana, Hindi Tr. by S. N. Mishra, Varanasi, 1968.
3. ***Nyāyakusumāñjali*** of Udayana, (Tr.) N. S. Dravid, Delhi, 1996.
4. ***Ātmatattvaviveka*** of Udayana. with the commentaries of Raghunātha Śaṅkara Miśra, etc. Ed. by R. Shastri and H. Shastri, Benaras. 1933.

Paper IX : ज्ञानमीमांसा *(Epistemology)*

ग्रन्थ : न्यायमञ्जरी तथा न्यायबिन्दु

Texts : Nyāyamañjarī and Nyāyabindu

Unit I	प्रमाण - सामान्य - लक्षण (General Definition of Pramāṇa)	*20*
Unit II	बौद्धप्रमाण - स्वरूप (Buddhist concept of Pramāṇa)	*20*
Unit III	मीमांसा - प्रमाणस्वरूप (Mīmāṃsā concept of Pramāṇa)	*20*
Unit IV	बौद्ध-प्रत्यक्ष-स्वरूप (Buddhist concept of Perception)	*20*
Unit V	बौद्ध-अनुमान-स्वरूप (Buddhist Concept of Inference)	*20*

Books Recommended

1. ***Nyāyamañjarī*** of Jayanta Bhaṭṭa, Eng. Tr. by J. Bhattacharya, Vol. I, Delhi, 1978.
2. ***Nyāyamañjarī*** of Jayanta Bhaṭṭa (Āhnika I) Eng. Tr. by V. N. Jha, Delhi, 1995.
3. ***Nyāyabindu*** of Dharmakīrti with the comm. ***Dharmottarapradīpa,*** Ed. Pt. D. Malvaniya, 1995
4. ***Dharmottarapradīpa,*** K.P. Jayaswal Research Insitute, Patna, 1971.
5. ***Indian Epistemology,*** Dravid.
6. ***Buddhist Logic,*** Stcherbatsky Theodor, Vol. I, II, MLBD, 1994.

Paper X : प्राचीनन्यायशास्त्र की प्रासंगिकता *(Relevance of Prācīnanyāya)*

Unit I	प्रत्यक्ष-मीमांसा (Theory of Perception)	*20*
Unit II	अनुमान-मीमांसा (Theory of Inference)	*20*
Unit III	अरस्तू : तर्कशास्त्र (Logic of Aristotle)	*20*
Unit IV	प्रमा तथा अप्रमा (True cognition and false cognition)	*20*
Unit V	ज्ञानमीमांसा - प्रारूप (Model of Philosophical Analysis)	*20*

Books Recommended

1. ***History of Indian Epistemology,*** by Jwala Prasad, Munshiram Manoharlal, Delhi. 1958.
2. ***Supernormal Perception in Indian Philosophy*** by Nilakantha Dash, Published by the Author, CASS, University of Pune, 2000.
3. ***The Nyāya Theory of Knowledge,*** by S. C. Chatterji, Calcutta. 1939.
4. ***First Course in Logic for standard XI.,*** Basantani, K.T., a Text book by the MSBSE, Poona, Deepak Prakashan, Bombay, 1976.
5. ***Introduction to Logic,*** Copi, Irving M. Prentice-Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi, 1995.
6. ***Symbolic Logic,*** Copi, Irving M., Prentice-Hall of Indian Pvt. Ltd., New Delhi, 1996.
7. ***The Basic Works of Aristotle,*** Mckeon, Richard, 29th Printing, Ed. with an introduction by Richard Mckeon, Randam House, New York, 1941.
8. ***The Development of Logic,*** Kneale, W & Kneale M., Oxford, Oxford Univ. Press, 1971 (Rpt.)
9. ***Modern Logic a Survey,*** Agazzi, Evandro (Ed.) Dodtrecht, D. Reidel Pub. Co., 1981.
10. ***A Modern Introduction to Logic,*** Stebbling, L. S., Routledge, London, 1937, Rpt. 1997.
11. ***Aristotle's syllogistic from the stanpoint of Modern Formal Logic,*** Jan Lukasiewicz, Oxford, 1951, 2nd ed. 1957.

8. नव्य-न्याय (Navya - Nyāya)

Paper VII : नव्य-न्याय : उद्गम तथा विकास
(Origin and Development of Navyanyāya)

Unit I	नव्य-न्याय : ग्रन्थ तथा चिन्तक (Navya-Nyāya : Texts and Thinkers)	*20*
Unit II	न्याय-वैशेषिक-पदार्थ (Categories : Nyāya-Vaiśeṣika)	*20*
Unit III	कार्य-कारण-भाव (Cause - and - effect-relationship)	*20*
Unit IV	आत्म-स्वरूप (Concept of Soul)	*20*
Unit V	प्रत्यक्ष-प्रमाण (Theory of Perception)	*20*

Books Recommended

1. ***A History of Indian Philosophy,*** by J. N. Sinha, Calcutta, 1952.
2. ***History of Mediaeval School of Indian Logic,*** by S. C. Vidyabhushana, Munshiram Mahoharlal, Delhi, 1977.
3. ***The Philosophy of Nyāya-Vaiśeṣika and its Conflict with the Buddhist Dińnāga School,*** by D. N. Shastri, Delhi, 1976.
4. ***Viṣayatāvāda*** of Harirāma Tarkavāgīśa, Eng. Tr. by V. N. Jha, Pune, 1987. (Introduction Portion)
5. ***The Nyāya Theory of Knowledge,*** by S. C. Chatterjee Calcutta, 1939.
6. ***Supernormal Perception in Indian Philosophy*** by Nilakantha Dash, Published by the Author, CASS, University of Pune, 2000.

Paper VIII : अनुमान प्रमाण *(Theory of Inference)*

ग्रन्थ : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली : अनुमानखण्ड

Text : Nyāyasiddhāntamuktāvalī : Anumānakhaṇḍa

Unit I	अनुमितिप्रक्रिया (Process of Inferential Cognition)	*20*
Unit II	अनुमितिसामग्री (Factors of Inferential Process)	*20*
Unit III	व्याप्तिस्वरूप (Form of Vyāpti)	*20*
Unit IV	हेत्वाभास (Fallacies)	*20*
Unit V	आधुनिक प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र (Introduction to Symbolic Logic)	*20*

Books Recommended

1. ***Nyāyasiddhāntamuktāvalī*** of Viśvanātha, Eng, Tr. by Svami Madhavananda, Advaita Ashram.
2. ***The Justification of Inference, A Navya Nyāya Approach,*** by R. N. Ghosh, Delhi, 1990.
3. ***Anumāna Pramāṇa*** (Hindi) by Baliram Shukla, Delhi, 1986.
4. ***Inference and Fallacies Discussed in Ancient Indian Logic*** by P. P. Gokhale, Delhi, 1992.
5. ***An Introduction to Symbolic Logic*** - Copi.
6. ***Nyāyasiddhāntamuktāvalī*** with Kiraṇāvalī - Śrīkṛṣṇa Vallabhācārya, Chowkhamba, Sanskrit Series, 1972.

Paper IX : भाषा-दर्शन *(Philosophy of Language)*

ग्रन्थ : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली : शब्दखण्ड

Text : Nyāyasiddhāntamuktāvalī : Śabdakhaṇḍa

Unit I	शाब्दबोधप्रक्रिया (Process of Verbal understanding)	*20*
Unit II	शाब्दबोधसामग्री (Factors of Verbal understanding)	*20*
Unit III	शब्दार्थसम्बन्ध (Language and Reality)	*20*
Unit IV	तात्पर्य (Speaker's Intention)	*20*
Unit V	शाब्दबोध-सिद्धान्त (Different theories of Śābdabodha)	*20*

Books Recommended

1. ***Nyāyasiddhāntamuktāvalī*** with ***Prabhā*** (comm.) Ed. Nrisinha Dev Shastri, Varanasi, 1990.
2. ***Śabdaśaktiprakāśikā,*** Ed. J. Bhattacharya, Calcutta, 1904.
3. ***Word & Its Meaning*** : A New Perspective, by K. N. Chatterjee, Varanasi, 1980.
4. ***Studies in Language, Logic and Epistemology*** by V. N. Jha, Delhi, 1986.
5. ***Śabdakhaṇḍa*** of ***Nyāya siddhāntamuktāvalī,*** by V. N. Jha, ***Saṃbhāṣā*** vol. 13, Nagoya, Japan, 1992.
6. ***Indian Theories of Meanings,*** by K. K. Raja, Madras, 1963.

Paper X : नव्यन्यायशास्त्र की प्रासंगिकता *(Relevance of Navya Nyāya)*

Unit I प्रमाणमीमांसा (Epistemology : Navya Nyāya) ***20***

Unit II ज्ञान-विश्लेषण-भाषा-निर्माण
(Developing a language of cognitive Analysis) ***20***

Unit III संगणक-भाषा-निर्माण (Developing computer processing Language) ***20***

Unit IV यन्त्रानुवाद (Machine Translation) ***20***

Unit V नव्यन्याय तथा आधुनिक आकारिक तर्कशास्त्र
(Navya Nyāya and Modern Formal Logic) ***20***

Books Recommended

1. ***Studies in Language, Logic and Epistemology,*** by V. N. Jha, Delhi, 1986.
2. ***Śabdakhaṇḍa*** of ***Nyāya-siddhātamuktavalī,*** by V. N. Jha, ***Saṃbhāṣā,*** vol. 13 Nagoya, Japan, 1992.
3. ***Supernormal Perception in Indian Philosophy*** by Nilakantha Dash, Published by the Author, CASS, University of Pune, 2000.
4. ***Artificial Intelligence*** by Rich Elaine, Singapore, 1983.
5. ***Natural Language Processing :*** Rajiv Sangal, IIT, Kanpur.

9. पूर्वमीमांसा *(Pūrvamīmāṃsā)*

Paper VII : पूर्वमीमांसा : उद्गम तथा विकास

Unit I	पूर्वमीमांसा : ग्रन्थ तथा चिन्तक (Pūrvamīmāṃsā : Texts and Thinkers)	*20*
Unit II	पूर्वमीमांसा - सम्प्रदाय (Schools of Pūrvamīmāṃsā)	*20*
Unit III	वेदवाक्य - प्रभेद (Classification of Vedic Sentences)	*20*
Unit IV	विधि - प्रभेद (Vidhi and its types)	*20*
Unit V	दर्शपूर्णमास (Darśapūrṇamāsa Sacrifice)	*20*

Books Recommended

1. ***Pūrvamīmāṃsā in its sources***, by Ganganath Jha, Benaras, 1964.
2. **मीमांसादर्शन का विवेचनात्मक इतिहास,** गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, वाराणसी.
3. **अर्थसङ्ग्रह** of लौगाक्षिभास्कर, Ed. Sukthankar,
4. **मीमांसादर्शन में विधिविचार वेदवाक्य,** by गायत्री शुक्ला, इलाहाबाद, १९९९.
5. ***Śrauta Kośa*** Ed. R. N. Dandekar & C. G. Kashikar, Pune-1978.
6. अर्थसंग्रह, वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्बा ओरिएन्टालिया, वाराणसी, 1983.

Paper VIII : जैमिनिसूत्र (तर्कपाद) तथा श्लोकवार्त्तिकप्रमाण-मीमांसा
: Jaiminisūtra (Tarkapāda) and Ślokavārttika (Pramāṇamīmāṃsā)

Unit I	धर्मस्वरूप (Nature of Dharma)	*20*
Unit II	शाबरभाष्य (जैमिनि १.१ पर) (Śabarabhāṣya on Jaimini 1.1)	*20*
Unit III	शब्दप्रमाण (Verbal Testimory)	*20*
Unit IV	अनुमानप्रमाण (Mīmāṃsā theory of Inference)	*20*
Unit V	निरालम्बनवाद-खण्डन (Refutation of Buddhist Theory of Content-less-ness of a cognition)	*20*

Books Recommended

1. मीमांसादर्शन of Jaimini with ***Śābarabhāṣya,*** Ānandashram, Pune-1974.
2. ***Epistemology of the Bhāṭṭa School of Pūrvamīmāṃsā,*** by G. P. Bhatt, Varanasi, 1962.
3. Prābhākara School of ***Pūrvamīmāṃsā*** by G. N. Jha.
4. अनुमानप्रमाण, by बलिराम शुक्ल, Delhi, 1986.
5. ***Mīmāṃsāśābarabhāṣya*** Hindi Tr. by Yudhishthir Mīmāṃsak, Bahalgarh, Haryana, 1977.
6. ***Mīmāṃsāśābarabhāṣya*** Eng. Tr. by G. N. Jha.
7. ***Ślokavārtika*** of Kumārila Bhaṭṭa Eng. Tr. by G. N. Jha, Delhi, 1983. (Reprint)
8. ***Mīmāṃsāślokavārtika,*** Tr. by Durgadhar Jha, Darbhangra, 1979.
9. ***Nyāyaratnākara***

Paper IX : मानमेयोदय तथा जैमिनि-न्यायमाला-विस्तर
(Jaimini-Nyāyamālā-vistara and Mānameyodaya)

Unit I	पूर्वमीमांसा - प्रमेय (*Prameyas* of पूर्वमीमांसा)	*20*
Unit II	अनुपलब्धि प्रमाण (*Anupalabdhi-Pramāṇa*)	*20*
Unit III	अधिकरण - स्वरूप (Concept of अधिकरण)	*20*
Unit IV	देवतास्वरूप (Concept of Deity)	*20*
Unit V	मोक्षस्वरूप (Concept of मोक्ष)	*20*

Books Recommended

1. ***Mānameyodaya of Nārāyaṇa,*** Ed. (with Eng. Tr.) by C. K. Raja & S. S. S. Śastri, Madras, 1933.
2. ***Epistemology of the Bhāṭṭa School of Pūrvamīmāṃsā,*** by G.P. Bhatt, Varanasi, 1962.
3. ***Pūrvamīmāṃsā in Its Sources,*** by G. N. Jha, Varanasi, 1964.
4. ***Prakaraṇapañcikā of Śālikanātha*** Miśra, Ed. A. S. Sastri, Benaras, 1961.

Paper X : पूर्वमीमांसा की प्रासंगिकता *(Relevance of Pūrvamīmāṃsā)*

Unit I **मीमांसा-शाब्दबोध-प्रक्रिया**
(Process of Verbal understanding according to Mīmāṃsā) *20*

Unit II **वाक्यार्थ-निर्णय-न्याय**
(Mīmāṃsā rules of Sentence interpretation) *20*

Unit III **महावाक्य-विश्लेषण-पद्धति** (Discourse Analysis) *20*

Unit IV **मीमांसा-ज्ञान-मीमांसा** (Mīmāṃsā Epistemology) *20*

Unit V **मीमांसा तथा विधि** (Mīmāṃsā and Law) *20*

Books Recommended

1. ***Indian Theories of Meaning,*** by K. K. Raja, Madras.
2. ***Verbal Knowledge in Prābhākara Mīmāṃsā,*** by R. N. Sharma, Delhi, 1990.
3. ***Mīmāṃsā Theory of Meaning,*** by R. N. Sharma, Delhi, 1988.
4. ***The Prābhākara School of Pūrva mīmāṃsā,*** by Gangānātha Jha, Delhi, Motilal Banarasidass, 1978.

10. अद्वैतवेदान्त (Advaita-Vedānta)

Paper VII : उत्पत्ति एवं विकास (Origin and Development)

Unit I ग्रन्थ तथा चिन्तक (Texts and Thinkers) — **20**

Unit II माण्डूक्यकारिका गौडपादकृत
(Māṇḍūkya-kārikās of Gauḍapāda — **20**

Unit III वेदान्त - सम्प्रदाय

(i) अद्वैत	(ii) विशिष्टाद्वैत	(iii) द्वैत
(iv) शुद्धाद्वैत	(v) अचिन्त्यभेदाभेद	(vi) अविभागाद्वैत
(vii) द्वैताद्वैत	(viii) शब्दाद्वैत	
(i) Advaita	(ii) Viśiṣṭādvaita	(iii) Dvaita
(iv) Śuddhādvaita	(v) Acintyabhedābheda	(vi) Avibhāgādvaita
(vii) Dvaitādvaita	(viii) Śabdādvaita	

20

Unit IV वेदान्त परिभाषा, प्रत्यक्षपरिच्छेद – Vedāntaparibhāṣā, Pratyakṣakhaṇḍa — **20**

Unit V विवरणप्रमेयसंग्रह : द्वितीयसूत्र (जन्माद्यस्य यतः)
Vivaraṇaprameya Saṅgraha : Second Sūtra (Janmādyasya yataḥ) — **20**

Books Recommended

1. ***Pre-Śaṅkara Advaita Philosophy***, Sangam Lal Pandey, Allahabad : Darshanpeeth, 1974.
2. ***Indian Philosophy***, Vol. 2, Jadunath Sinha, MLBD.
3. ***History of Indian Philosophy***, S. N. Dasgupta, Vols. 1-4 (relevant Portions)
4. ***Vākyapadīya of Bhartṛhari***, K. A. S Iyer, Delhi, 1974-77.
5. ***Integral Non-dualism***, Kanshi Ram, MLBD, 1995.
6. ***Vedānta-paribhāṣā of Dharmarājādhvarīndra***, Ed. & Tr. by S. S. Shastri, Madras, 1942.
7. विवरणप्रमेयसंग्रह :, हिन्दी अनुवाद, श्री ललिता प्रसाद, डायरलाल, वाराणसी, 1996.
8. ***A History of early Vedānta Philosophy***, by S. Mayeda, Delhi, 1983.

Paper VIII : शाङ्करादैत *(Advaita of Śaṅkarācārya)*

Unit I **बृहदारण्यक उपनिषद् - सम्बन्ध - भाष्य**
(Bṛhadāraṇyaka - Upaniṣad : Sambandhabhāṣya) ***20***

Unit II **माण्डूक्यकारिका शांकरभाष्यसहित**
(Māṇḍūkya kārikās with Śaṅkara's commentary) ***20***

Unit III **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य 1.1.** - (Brahmasūtra 1.1 with Sāṅkarabhāṣya) ***20***

Unit IV **ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य 2.1.** - (Brahmasūtra 2.1 with Sāṅkarabhāṣya) ***20***

Unit V **ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य 2.2** - (Brahmasūtra 2.2 with Saṅkara's bhāṣya) ***20***

Books Recommended

1. **बृहदारण्यकोपनिषद् - शांकरभाष्यसहित - गीता प्रेस, गोरखपुर** - Bṛhadāraṇyaka Upaniṣad with Śaṅkara's commentary Eng. Tran., Gambhirananda Swami Ram Krishna Mission.
2. **माण्डूक्योपनिषद् - कारिका तथा शंकरभाष्यसहित - गीता प्रेस, गोरखपुर.** Eng. Tran. by M. N. Gupta, Ram Krishna Mission, 1935.
3. **ब्रह्मसूत्र - शांकरभाष्य भाषानुवाद तथा सत्यानन्दी-दीपिकासहित, स्वामी सत्यानंद सरस्वती, वाराणसी, २०२८ वि. स.**
4. ***Brahmasūtra,*** Eng. Tran., by V. M. Apte, Bombay, 1960.
5. ***Bṛhadāraṇyakopaniṣad*** with Śāṅkarabhāṣya, Tr. by Madhavananda Swami, Calcutta, 1965.

Paper IX : शङ्करोत्तराद्वैत *(Post-Śaṅkara-Advaita)*

Unit I पञ्चपादिकाविवरण - अध्यासभाष्य
(Pañcapādikāvivaraṇa on Adhyāsabhāṣya) *20*

Unit II भामती - अध्यासभाष्य (Bhāmatī on Adhyāsabhāṣya) *20*

Unit III नैष्कर्म्यसिद्धि - अध्याय 2 (Naiṣkarmyasiddhi, Chapter 2) *20*

Unit IV पञ्चदशी - चित्रदीपप्रकरण (Pañcadaśī - citradīpaprakaraṇa) *20*

Unit V तत्त्वप्रदीपिका (चित्सुखी) स्वप्रकाशलक्षणम्
चित्सुखी - स्वप्रकाशत्वलक्षण (Citsukhī - svaprakāśatva-lakṣaṇa) *20*

Books Recommended

1. ***Pañcapādikā*** of Padmapādācārya, Vol. I.
Pañcapādikāvivaraṇam of Prakāśātman vol. II & III, Ed. by R. B. Shastri, Benaras, 1891-92.
2. ***Brahmasūtraśāṅkarabhāṣya*** with the comm. ***Bhāmatī*** of Vācaspati Miśra, etc. Ed. and Hindi Tr. by M. L. Goswami, Darbhanga, 1976.
3. ***Naiṣkarmyasiddhi*** of Sureśvarācārya Ed. & Tr. by S. S. Raghavachar, Mysore, 1965.
4. ***Pañcadaśī*** of Vidyaraṇya Swami, Tr. by Svahananda Swami, Madras, 1975.
5. ***Khaṇḍanakhaṇḍakhādya*** of Śrīharṣa, with the comm. Citsukhī etc.
(Part 1 and 2) Ed. by L. Dravid, Varanasi, 1914.
6. तत्त्वप्रदीपिका (चित्सुखी) षड्दर्शनप्रकाशप्रतिष्ठान, वाराणसी, 1974.
7. ***Post-Śaṅkara Dialectics,*** Prof. Asutosh Bhattacarya, 1937.
8. ***Lights of Vedānta,*** Veeramani Prasada Upadhyaya.

Paper X : अद्वैत वेदान्त : आधुनिक सन्दर्भ
(Advaita Vedānta - its Relevance)

Unit I (i) चित्सुखी - मिथ्यात्वनिरूपण (ii) अविद्याश्रयनिरूपण (iii) अविद्यानिवृत्ति निरूपण
(Citsukhī - mithyātvanirūpaṇa, avidyāśrayanirupaṇa, avidyānivṛttinirūpaṇa) ***20***

Unit II अद्वैतसिद्धि : अज्ञानलक्षणनिरुक्ति (Ajñānalakṣaṇanirukti),
अनिर्वाच्यत्वलक्षण Anirvācyatvalakṣaṇa (pp. 620-24) ***20***

Unit III अद्वैतसिद्धि 3 परिच्छेद - Advaitasiddhi - 3 परिच्छेद ***20***

Unit IV अद्वैतवेदान्त तथा आधुनिक भौतिक विज्ञान
(Advaita Vedānta and Modern Physics)
अद्वैतवेदान्त तथा रामकृष्ण परमहंस, विवेकानन्द तथा रमण महर्षि
Advaita Vedānta : Ramkrishna Paramahamsa, Vivekānanda and Ramaṇa Maharṣi ***20***

Unit V जीवन और अद्वैत-वेदान्त
(Application of Advaita Thought in Life) ***20***

Books Recommended

1. ***Khaṇḍanakhaṇḍakhādya*** of Śrīharṣa with ***Citsukhī*** etc. Ed. by L. S. Dravid, Varanasi, 1914.
2. ***Advaitasiddhi*** with four comm.s, Ed. by A. K. Shastri, Delhi 1982.
3. ***The Advaitasiddhi*** of Madhusūdana Saraswati (Ch. I) Eng. Tr. by G. N. Jha, Delhi.
4. ***Metaphysics of Advaitavedānta,*** G. R. Das & G. R. Malkani, Amalner, 1961.
5. ***Time, space & knowledge : A New Vision of Reality,*** by T. Tarthang, Emeryville, 1978.
6. ***Advaita Vedānta : Itihāsa tathā Siddhānta,*** by Rammurty Sharma, Delhi, 1972.
7. ***Advaita Vedānta : A Philosophical Reconstruction*** by D. Eliot, Honolulu, 1965.
8. तत्त्वप्रदीपिका (चित्सुखी) Edn. Yogīndrānanda Varanasi, 1974.
9. ***Māyā in Physics,*** N. C. Panda, MLBD, 1996.
10. ***Tao of Physics*** - Fritz, John Capra.

11. इतिहास पुराण *(Itihāsa - Purāṇa)*

Paper VII : इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास
(Introduction to Itihāsa -Purāṇa literature and Concept of History)

Unit I **इतिहास व पुराण का स्वरूप रामायण और महाभारत का रचनाकाल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य** : Concept of Itihāsa and Purāṇa; Date, Contents and Poetic beauty of Rāmāyaṇa and Mahābhārata. ***20***

Unit II **अष्टादश पुराणों का परिचय व पंचलक्षण**
Introduction to 18 Purāṇas and application of Pañcalakṣaṇa to them. ***20***

Unit III **इतिहास - पुराणों में आख्यान पुराकथा तथा ऐतिहासिक वृत्त**
Myths and legends and Historical episodes in Itihāsa-Purāṇa. ***20***

Unit IV पाठ्यग्रंथ - **महाभारत नलोपाख्यान**
Text :Nalopākhyāna from Mahābhārata. ***20***

Unit V पाठ्यग्रंथ - **कल्हणकृत राजतरङ्गिणी सप्तम तरंग**
Text : Taraṅga VII from Kalhaṇa's Rājataraṅgiṇi. ***20***

Books Recommended

1. **नलोपाख्यानम्** - अनु. जगदम्बा प्रसाद सिन्हा.
2. **नलोपाख्यानम्** - चौखम्बा, वाराणसी.
3. **राजतरङ्गिणी** - अनु. रामतेज शास्त्री, पंडित पुस्तकालय, काशी.
4. ***Rājataraṅgiṇī*** - Eng. Trans. Sahitya Akademi, Delhi.
5. ***Great Epic of India,*** E. W. Hopkins. Motilal Banarasidass, New Delhi.
6. ***Epic Mythology*** - Ibid.
7. **आदिकवि वाल्मीकि** - राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद्, विश्वविद्यालय सागर.
8. ***Studies in Mahābhārata,*** Ed. S. P. Narang, Nag Publishers N. Delhi.
9. ***Secondary Tales from two Great Epics,*** R. Nanavati, L. D. Insitute of Indology Ahmedabad - 1982.
10. ***Purāṇa-Itihāsa-vimarśa,*** Ed. R. Nanavati, Bharatiya Vidya Prakashan, New Delhi, 1998.
11. ***Legends in the Mahābhārata,*** S. A. Dange Motilal Banarasi Dass, Delhi, 1969.
12. ***Historical and Cultural Studies in the Purāṇas,*** by S. N. Roy, Allahabad, 1978.
13. **इतिहास - पुराण का अनुशीलन**, रामशंकर भट्टाचार्य, वाराणसी, १९६३.
14. ***Purāṇas : An Account of Their Content & Nature,*** by H. H. Wilson, Calcutta, 1897.

Paper VIII : इतिहास काव्य *(Itihāsa - Kāvyas)*

Unit I वाल्मीकि रामायण - सुन्दरकांड प्रथम १५ सर्ग
(Valmīki Rāmāyaṇa - Sundarakāṇḍa - First 15 Cantos) ***20***

Unit II वाल्मीकि रामायण सुन्दरकाण्ड सर्ग १६-३०
Vāmīki Rāmāyaṇa Sundarakāṇḍa Cantos 16-30) ***20***

Unit III महाभारत आदिपर्व अध्याय १-२०
(Mahābhārata Ādiparva Chapters : 1-20) ***20***

Unit IV महाभारत आदिपर्व अध्याय २१-४०
(Mahābhārata Ādiparva Chapters : 21-40) ***20***

Unit V शान्तिपर्व - राजधर्म प्रकरण अध्याय ५०-७०
(Śāntiparva - Rājadharma prakaraṇa chap. 50th to 70th.) ***20***

Books Recommended

1. रामायण - सुन्दरकाण्ड ***Rāmāyaṇa - Sundarkāṇḍa*** Edn. Oriental Institute Vadodara.
2. ***Mahābhārata,*** Edn. BORI, Pune.
3. ***Legends in the Mahābhārata,*** by S. A Dange, Delhi, 1969.
4. पुराणानां काव्यरूपतायाः विवेचनम्, R. P. Vedalankar, Jammu, 1974.
5. ***Rāmāyaṇa*** Hindi Tr. by Chandrashekhar Shastri, Patna.
6. ***The Rāmāyaṇa*** Eng. Tr. by M. L. Sen, Calcutta, 1976.